सूर्योदय : 06.26 बजे
सूर्यास्त : 05.34 बजे
मंगलवार, 29 नवम्बर 2022
वर्ष-2-अंक 331
मूल्य 2 पृष्ठ 8
e-mail: aknewstv2@gmail.com
RNI TITLE CODE : UPHIN49345

हिन्दी दैनिक

अमर ख्याल

जुनून सच का

(महमूदाबाद) सीतापुर से प्रकाशित

देश को एकजुट रखने के लिए हमारे दो प्रधानमंत्रियों ने बलिदान दिया: खड़गे

■ अहमदाबाद

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी ने आतंकवाद का मुकाबला करते हुए अपने दो प्रधानमंत्रियों को खोया है। उन्होंने यह सवाल भी किया कि क्या भारतीय जनता पार्टी से संबंधित कोई नेता देश की आजादी की लड़ाई में शामिल हुआ था? इससे एक दिन पहले ही, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर आतंकवाद को लेकर वोटबैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया था।

खरगे ने कहा, हमने आतंकवाद का मुकाबला किया है। देश में शांति बनाए रखने के लिए हमारे नेताओं ने बलिदान दे दिया। इंदिरा गांधी ने देश को एकजुट रखने के लिए कुर्बानी दी। देश की एकजुटता के लिए राजीव गांधी शहीद हो गए।

उन्होंने पूछा, क्या भाजपा के पास कोई नेता है जो देश की आजादी के लिए लड़ा हो? प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को गुजरात के खेड़ा जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ने कहा था कि कांग्रेस और उसके समान विचार वाले कई दल आतंकवाद को कामयाबी पाने का शॉर्टकट समझते हैं। खरगे ने कहा, हमने देश को मजबूत और एकजुट रखने के लिए हमने अपने दो प्रसिद्ध एवं विश्व स्तर पर सम्मानित प्रधानमंत्रियों को खो दिया। यहां विधानसभा का चुनाव हो रहा है, संसद का चुनाव नहीं हो रहा है। हम राज्य से जुड़े मुद्दों पर आपसे वोट मांग रहे हैं। अच्छा होता कि प्रधानमंत्री राज्य में अपनी सफलताओं और विफलताओं को लेकर वोट मांगते।

देश के पहले अंतरिक्ष स्टार्टअप द्वारा संचालित लांचपैड, मिशन केंद्र का उद्घाटन

एजेंसी ■ नई दिल्ली/बेंगलुरु

अंतरिक्ष क्षेत्र की निजी कंपनी अग्निकुल कॉस्मोस ने सोमवार को घोषणा की कि उसके द्वारा तैयार और संचालित भारत के पहले निजी लांचपैड तथा मिशन नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र स्थित इसरो परिसर में किया गया है। स्टार्टअप की योजना भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास में बनाई गई थी और इससे, यह साल खत्म होने से पहले अग्निबाण रॉकेट को प्रक्षेपित करने की भी योजना है। कंपनी ने ट्वीट किया, श्रीहरिकोटा में हमारे पहले लांचपैड और मिशन नियंत्रण केंद्र के निर्माण का अवसर पाकर हम सम्मानित और प्रसन्न हैं जिसका उद्घाटन इसरो अध्यक्ष ने किया है। यहां से अग्निकुल के प्रक्षेपण किए जाएंगे। इसरो और इनस्पेस का इस मूल्यवान सहयोग के लिए शुक्रिया।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने 25 नवंबर को अग्निकुल लांचपैड का उद्घाटन किया था। अग्निकुल कॉस्मोस केंद्र में दो हिस्से- अग्निकुल लांचपैड (एएलपी) और अग्निकुल मिशन नियंत्रण केंद्र (एएमसीसी) हैं। सोमनाथ ने कहा, सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में एक निजी प्रक्षेपण यान के लिए पहला विशेष लांचपैड तैयार किया गया है। अब, भारत एक और अंतरिक्ष प्लेटफॉर्म से अंतरिक्ष की यात्रा कर सकता है। इसके लिए अग्निकुल का शुक्रिया। अग्निकुल के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) श्रीनाथ रविचंद्रन ने कहा, हमारे अंतरिक्ष यानों को उस केंद्र से प्रक्षेपित करना अग्निकुल में हम सभी के लिए सपने के सच होने जैसा है जिसे हमने डिजाइन किया है और खुद बनाया है। स्टार्टअप के एक बयान के अनुसार, इस पैड से अग्निकुल का पहला प्रक्षेपण एक नियंत्रित और दिशानिर्देशित मिशन होगा।

उसने कहा कि अग्निबाण ऐसा दो स्तर वाला रॉकेट है जिसे अपनी जरूरत के हिसाब से बदला जा सकता है। इसमें 100 किलोग्राम तक पेलोड को करीब 700 किलोमीटर उंचाई तक कक्षाओं में ले जाने की क्षमता है। चेन्नई से संचालित स्टार्टअप ने दुनिया का पहला एक भाग वाला 3डी प्रिंट इंजन अग्निनेट भी विकसित किया है।

रविचंद्रन ने 2017 में मोइन एसपीएम और आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर एस आर चक्रवर्ती के साथ मिलकर अग्निकुल की स्थापना की थी।

ज्ञानवापी: एएसआई सर्वेक्षण मामले में फैसला सुरक्षित

एजेंसी ■ प्रयागराज

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का एएसआई सर्वेक्षण कराने के वाराणसी की अदालत के निर्देश को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इस मामले में फैसला सुरक्षित रखा। उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड और ज्ञानवापी मस्जिद का प्रबंधन करने वाली अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी ने याचिका दायर कर निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। उल्लेखनीय है कि आठ अप्रैल, 2021 को वाराणसी की अदालत ने एएसआई को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का समग्र सर्वेक्षण कराने का निर्देश दिया था।हिंदू पक्ष की ओर से गत 11 नवंबर को पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता वैद्यनाथन ने दलील दी थी कि तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए जांच कराई जानी चाहिए। इस मामले में प्रथम दृष्टया सच्चाई सामने के लिए एएसआई द्वारा सर्वेक्षण कराया जाना चाहिए क्योंकि विवादित परिसर को नंगी आंख से देखने पर यह स्पष्ट है कि यह मंदिर का हिस्सा है और सर्वेक्षण की कार्यवाही जारी रहनी चाहिए।

एम्स-दिल्ली का सर्वर हैक

क्रिप्टोकरेंसी में मांगे 200 करोड़ रुपए

हैकिंग का छठा दिन | लगभग 3-4 करोड़ मरीजों का डेटा प्रभावित हो सकता है

■ पटना

ऑल इंडिया मेडिकल साइंसेस (एम्स), दिल्ली से हैकर्स ने कथित तौर पर क्रिप्टोकरेंसी में करीब 200 करोड़ रुपए की मांग की है जिसका सर्वर लगातार छठे दिन खराब रहा। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सेंधमारी का बुधवार को सुबह पता चला था। आशंका जताई जा रही है कि सेंधमारी के कारण लगभग 3-4 करोड़ मरीजों का डेटा प्रभावित हो सकता है।

सूत्रों ने कहा कि सर्वर डाउन होने के कारण आपातकालीन इकाई में रोगी देखभाल सेवाएं, बाह्य रोगी, भर्ती रोगी और प्रयोगशाला अनुभाग को कागजी रूप से प्रबंधित किया जा रहा है। भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल (सर्ट-इन), दिल्ली पुलिस और गृह मंत्रालय के प्रतिनिधि रैंसमवेयर हमले की जांच कर रहे हैं।

रैंसमवेयर हमले के कारण कंप्यूटर तक पहुंच बाधित हो जाती है और पहुंच देने के लिए हैकर धन की मांग करते हैं। दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) इकाई द्वारा 25 नवंबर को जबरन वसूली और साइबर आतंकवाद का मामला दर्ज किया गया था। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि जांच एजेंसियों की सिफारिशों पर अस्पताल में कंप्यूटर पर इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। एम्स के सर्वर में पूर्व प्रधानमंत्रियों, मंत्रियों, नौकरशाहों और न्यायाधीशों समेत कई अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों (वीआईपी) का डेटा स्टोर है। एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया, हैकर्स ने क्रिप्टोकरेंसी में कथित तौर पर करीब 200 करोड़ रुपए की मांग की है।

इस बीच, एनआईसी ई-हॉस्पिटल डेटाबेस और ई-हॉस्पिटल के लिए एप्लिकेशन सर्वर बहाल कर दिए गए हैं। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की टीम एम्स में स्थित अन्य ई-हॉस्पिटल सर्वर से इन्फैक्शन को स्कैन और साफ कर रही है, जो अस्पताल सेवाओं के वितरण के लिए आवश्यक हैं। ई-हॉस्पिटल सेवाओं को बहाल करने के लिए व्यवस्थित किए गए चार सर्वर को स्कैन करके डेटाबेस और एप्लिकेशन के लिए तैयार किया गया है।

उन्होंने कहा कि एम्स के नेटवर्क को वायरस मुक्त करने का काम चल रहा है। सर्वर और कंप्यूटर के लिए एंटी-वायरस समाधान व्यवस्थित किए गए हैं। यह 5,000 में से लगभग।,200 कंप्यूटर पर स्थापित किया गया है। सूत्र ने कहा कि 50 में से 20 सर्वर को स्कैन किया जा चुका है और यह गतिविधि लगातार की जा रही है।

सूत्र ने कहा, नेटवर्क को ठीक करने का काम पांच और दिनों तक जारी रहने की संभावना है। इसके बाद, ई-अस्पताल सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जा सकता है। आपातकालीन, बाह्य रोगी, भर्ती रोगी, प्रयोगशाला जैसी सेवाओं सहित रोगी देखभाल सेवाओं का काम हाथ से किया जा रहा है।

केंद्र ने न्यायाधीशों की नियुक्ति संबंधी 20 फाइलें सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को लौटाईं

■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम से उन 20 फाइलों पर पुनःविचार करने को कहा है जो उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित हैं। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इनमें अधिवक्ता सौरभ कृपाल की भी फाइल शामिल है जो खुद के समलैंगिक होने के बारे में बता चुके हैं। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया से अवगत सूत्रों ने कहा, सिफारिश किए गए नामों पर केंद्र सरकार ने कड़ी अपत्ति जताई है और गत 25 नवंबर को फाइलें कॉलेजियम को वापस कर दीं। उन्होंने कहा कि इन 20 मामलो में से 11 नए मामले हैं, जबकि शीर्ष अदालत कॉलेजियम ने नौ मामलों को दोहराया है। उच्चतम न्यायालय के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण की अध्यक्षता वाली कॉलेजियम ने अधिवक्ता सौरभ कृपाल के नाम की सिफारिश दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त करने के लिए की है। सौरभ कृपाल देश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश बी.एन. कृपाल के बेटे हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय के कॉलेजियम की ओर से उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम को कृपाल का नाम अक्टूबर, 2017 में भेजा गया था। लेकिन बताया जा रहा है कि कृपाल के नाम पर विचार करने को शीर्ष अदालत कॉलेजियम ने तीन बार टाला। अधिवक्ता कृपाल ने हाल ही में एनडीटीवी से कहा था कि उन्हें लगता है कि उनकी उपेक्षा का कारण उनका यौन रुझान है। न्यायमूर्ति रमण के पूर्ववर्ती, तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे ने कथित रूप से सरकार से कहा था कि वह कृपाल के बारे में और अधिक जानकारी मुहैया कराए। अंततः न्यायमूर्ति रमण की अध्यक्षता वाली कॉलेजियम ने नवंबर, 2021 में कृपाल के पक्ष में फैसला लिया। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कॉलेजियम की ओर से उच्चतर न्यायापालिका में न्यायाधीश नियुक्ति किए जाने के लिए सिफारिश किए गए नामों को मंजूरी देने में केंद्र सरकार की देरी को लेकर नाराजगी जताई और कहा कि इससे नियुक्ति प्रक्रिया प्रभावी रूप से हतोत्साहित होती है।

जरा हट के... | बग्गा

पीएम 11 दिसंबर को विश्व आयुर्वेद कांग्रेस के समापन समारोह में भाग लेंगे

पणजी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 दिसंबर को गोवा में विश्व आयुर्वेद कांग्रेस के समापन समारोह और अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेंगे। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोमवार को यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री मोदी उत्तरी गोवा के पेरनेम तालुका के धारगल में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि बाद में प्रधानमंत्री पणजी में नौवीं विश्व आयुर्वेद कांग्रेस के समापन समारोह में शामिल होंगे।

ईवीएम खराबी की झूठी शिकायत

मतदाता को इसका परिणाम पता होना चाहिए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि झूठा बयान देने वाले व्यक्ति को परिणाम पता होना चाहिए क्योंकि इससे चुनावी प्रक्रिया बाधित होती है। शीर्ष अदालत किसी ईवीएम में खराबी से संबंधित एक चुनावी नियम के खिलाफ याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसके बारे में याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि यह असंवैधानिक है। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने याचिकाकर्ता को लिखित में दाखिल करके यह बताने को कहा कि प्रावधान में क्यों दिक्कत है। पीठ ने साथ ही यह भी कहा कि वह इस स्तर पर उसके रुख से सहमत नहीं है।अदालत ने मामले को छुट्टियों के बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने के लिए कहा। पीठ ने कहा, हम आपको बहुत स्पष्ट रूप से बताना चाहते हैं, हमें नियम 49एमए के लिए आपके अनुरोध पर विचार करने का कोई कारण नहीं दिखता। आपके अनुसार प्रावधान में क्या गलत है? आप (इसे लेकर) लिखित में नोट दीजिए। पीठ ने कहा, अगर कोई झूठा बयान देता है, तो उसे परिणाम पता होना चाहिए। आगे की पूरी चुनावी प्रक्रिया ठप हो जाती है..। अगर हम पाते हैं कि कुछ शर्त, सख्त शर्त होनी चाहिए- कौन शिकायत कर रहा है और किसे एक निर्णय लेना है। अन्यथा व्यवस्था काम नहीं करेगी। अदालत सुनील अह्या की ओर से दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि चुनाव संचालन नियमों का नियम 49एमए असंवैधानिक है क्योंकि यह इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और वीवीपैट में खराबी की सूचना देने को अपराध बनाता है।

इस्कॉन की बेंगलुरु शाखा एक लाख भगवद्गीता वितरित करेगी

बेंगलुरु। बेंगलुरु के इस्कॉन मंदिरों के समूह ने महीने भर चलने वाले गीता दान यज्ञ के दौरान धार्मिक ग्रंथ भगवद्गीता की एक लाख प्रतियां बांटने का लक्ष्य रखा है। इस्कॉन-बेंगलुरु ने सोमवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी।

गीता दान यज्ञ कार्यक्रम का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तीन दिसंबर को करेंगे।इस्कॉन-बेंगलुरु के बयान के मुताबिक इस दौरान भगवद्गीता पर आधारित संगोष्ठी और दार्शनिक चर्चाएं भी आयोजित की जाएंगी। गीता जयंती के अवसर पर उद्घाटन समारोह यहां वसंतपुरा स्थित इस्कॉन श्री राजाधिराज गोविंदा मंदिर में आयोजित किया जाएगा।

आरएसएस ने 2023 के लिए निर्णयों को अंतिम रूप देने को बैठक की

चेन्नई। आरएसएस ने निर्णयों को अंतिम रूप देने के वास्ते अपने नेताओं और सदस्यों के साथ यहां एक बैठक की। दो दिवसीय परामर्श बैठक में लोगों के बीच आरएसएस की पहुंच बढ़ाने और एनईपी के कार्यान्वयन को सुदृढ़ करने सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। यह आरएसएस की एक आंतरिक बैठक थी जिसमें कई मुद्दों पर चर्चा की गई जिसमें संगठन के सामने आने वाली चुनौतियां और अगले साल लागू किए जाने वाले जनहितैषी कार्यक्रम शामिल थे। चर्चा से आगामी वर्ष के लिए निर्णयों को अंतिम रूप देने में मदद मिलेगी।

भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का इतिहास संकलित कर रहा है आईसीएचआर

■ नई दिल्ली

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) ने भारतीय अंतरिक्ष अनंसुधान संगठन (इसरो) के सहयोग से भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का इतिहास संकलित करने की परियोजना पर काम शुरू कर दिया है। परिषद के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। आईसीएचआर के सदस्य सचिव प्रो. उमेश अशोक कदम ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, इस बारे में इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ के साथ चर्चा हुई है और जल्द ही इस संबंध में कंसेप्ट नोट (परिकल्पना दस्तावेज) भेजा जाएगा।

कदम ने कहा, भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के इतिहास का संकलन छह खंडो में तैयार किया जाएगा, जिसमें से दो खंड प्राचीन इतिहास, दो खंड मध्ययुगीन और दो खंड आधुनिक काल से जुड़े होंगे।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना के तहत अगले पांच महीने के लिए शिक्षा मंत्रालय से 25 लाख रूपए की राशि मंजूर हो गई है तथा इस परियोजना में वैज्ञानिकों, इतिहासकारों के अलावा विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों को शामिल किया जा रहा है। इस बीच, कदम ने यह भी बताया कि आईसीएचआर ने भारतीय परिप्रेक्ष्य में भारत का समग्र इतिहास लिखने की एक व्यापक परियोजना शुरू की है, जिसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों में तथा स्थानीय भाषाओं में मौजूद सामग्रियों, संदर्भों एवं जानकारियों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत का एक समग्र इतिहास अभी मौजूद है, लेकिन इस पर मध्याकालीन इस्लामिक एवं औपनिवेशिक तथा आजादी के बाद के मार्क्सवादी दृष्टिकोण का प्रभाव है। उन्होंने कहा, ऐसे में भारत का समग्र इतिहास लिखने की परियोजना शुरू की गई है। इस परियोजना पर पांच करोड़ रूपए लागत आएगी। इसके लिए शिक्षा मंत्रालय ने हाल ही में पांच महीने के वास्ते 22 लाख रूपए जारी कर दिया है।

गुजरात चुनाव | कांग्रेस सौराष्ट्र क्षेत्र में एक बार फिर अच्छा प्रदर्शन करेगी, आप का असर कांग्रेस के वोटों पर हो रहा है

कांग्रेस उम्मीदवारों का जोरदार प्रचार के बजाय स्थानीय संपर्क पर जोर

■ धोराजी/ टंकार

गुजरात के धोराजी में अपने कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच बैठे कांग्रेस विधायक ललित वसोया अपनी पार्टी के चुनाव प्रचार की तुलना में भाजपा के जोरदार अभियान से बेफिक्र नजर आते हैं और उन्होंने विश्वास जताया कि वह एक बार फिर जीत हासिल करेंगे। कांग्रेस के अपेक्षाकृत हल्के प्रचार के बारे में सवालों को खारिज करते हुए वसोया कहते हैं कि स्टार प्रचारक समय की बर्बादी हैं और मुख्यधारा का मीडिया अक्सर भाजपा के पक्ष में ही दिखता है। उन्होंने कहा कि इन सबके बजाय उन्होंने अपनी विधानसभा के करीब करीब सभी 80 गांवों और तीन नगर निकायों में जाकर लोगों से मिलने और अपने मतदाताओं तक पहुंच के लिए सोशल मीडिया के उपयोग को तरजीह दी।उन्होंने कहा कि आठ दिसंबर को मतगणना का दिन आने दीजिए, कांग्रेस सौराष्ट्र क्षेत्र में एक बार फिर अच्छा प्रदर्शन करेगी। इसी क्षेत्र की टंकारा विधानसभा सीट से भी पिछले चुनाव में कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। यहां पार्टी कार्यकर्ता कहते हैं कि उनके विधायक ललित कगथारा अपने काम और लोगों तक पहुंच की वजह से सबसे बड़े स्टार हैं। कांग्रेस समर्थक अनिल बावलिया और सिकंदर ने कहा कि पिछले कुछ साल में खाद्य तेल की कीमत दोगुनी से ज्यादा हो गई है और रसोई गैस का सिलेंडर।,100 रुपए से ज्यादा मूल्य का है। उन्होंने कहा कि ए वास्तविक मुद्दे हैं जिनके लिए लोग कांग्रेस को वोट देंगे। हालांकि, आम आदमी पार्टी की उपस्थिति भी इस चुनाव में दर्ज की जा रही है। राज्य में मतदाताओं का एक तबका मानता है कि कांग्रेस गुजरात में भाजपा के सामने मजबूत चुनौती पेश नहीं कर सकी है और अरविंद केजरीवाल की पार्टी इस लिहाज से प्रभावशाली नजर आती है।टंकारा में भाजपा उम्मीदवार दुर्लभजी देथरिया, आप प्रत्याशी संजय भटसाना और कांग्रेस उम्मीदवार कगथारा, तीनों ही पाटीदार समुदाय से आते हैं। आप को मिलने वाले वोट चुनाव परिणामों को किस तरह प्रभावित करेंगे, इस बारे में तो अभी अनुमान ही लगाया जा सकता है लेकिन माना जा रहा है कि पूरे क्षेत्र में केजरीवाल की पार्टी सत्तारूढ़ भाजपा से ज्यादा असर कांग्रेस के वोटों पर डाल सकती है।

कांग्रेस ने पाटीदारों के आंदोलन का फायदा उठाते हुए 48 में से 28 सीटों पर जीत हासिल की थी

पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ पाटीदारों के आंदोलन का फायदा उठाते हुए क्षेत्र की 48 में से 28 सीटों पर जीत हासिल की थी। तब से ही भाजपा ने मजबूती के लिए काम किया है और कांग्रेस के कई स्थानीय दिग्गजों को अपने खेमे में शामिल करने का प्रयास किया है। हार्दिक पटेल समेत पाटीदार आंदोलन के कई प्रमुख चेहरे भाजपा से जुड़ गए हैं और पार्टी को उम्मीद है कि वह इस क्षेत्र में अपनी प्रतिद्वंद्वी को काफी पीछे छोड़ सकती है जहां पिछली बार उसके खराब प्रदर्शन ने चिंताएं बढ़ा दी थी। सौराष्ट्र क्षेत्र में गुजरात विधानसभा चुनाव के पहले चरण में एक दिसंबर को मतदान होगा।

मांगों को लेकर सरकार और गुर्जर प्रतिनिधियों के बीच वार्ता जारी

■ जयपुर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान में आने से पहले गुर्जर समाज की लंबित मांगों को लेकर सोमवार को गुर्जर प्रतिनिधियों और तीन मंत्रियों की कमेटी तथा राज्य सरकार के अधिकारियों के बीच बातचीत हुई और यह वार्ता कल भी होगी। राज्य सरकार के प्रतिनिधियों ने गुर्जर समाज की मांगों पर विचार करने के गुर्जर समाज के प्रतिनिधियों को मंगलवार को वार्ता के लिए फिर से बुलाया है। अति पिछड़ा वर्ग (एमबीसी) के तहत आने वाले गुर्जर समेत पांच समुदाय के लोग नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में 5 प्रतिशत आरक्षण, छात्रों को छात्रवृत्ति, नौकरियों में पदोन्नति से संबंधित मुद्दों, गुर्जर समाज के कल्याण के लिए गठित देवनारायण बोर्ड के लिए बजट और पूर्व में हुए गुर्जर आरक्षण आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस मामलों को वापस लेने संबंधी समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं। राज्य सरकार और गुर्जर समाज के प्रतिनिधिमंडल के साथ सोमवार को बैठक के बाद शिक्षा मंत्री बी डी कल्ला ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, अधिकांश मांगों पर सहमति बन गई है।

कर्तव्यबोध से अधिकारों को करें मजबूत

बेशक, सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस समारोह में कही प्रधानमंत्री की इस बात से सहमत हुआ जा सकता है कि राष्ट्र की उन्नति के लिये नागरिक दायित्वों का बोध हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। सही मायनों में समर्पण और ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन ही हमारे अधिकारों को समृद्ध करता है। दूसरे शब्दों में कहें तो कर्तव्य पालन ही हमारे अधिकारों के संरक्षण का मार्ग प्रशस्त करता है। ईमानदारी से कर्तव्य पालन ही एक सशक्त राष्ट्र की सशक्त बुनियाद निर्मित करता है। दुनिया का इतिहास बताता है कि जिस भी देश में नागरिकों में कर्तव्य बोध ऊंचे दर्जे का था, उसने आशातीत उन्नति की। जापान के नागरिकों का अव्वल दर्जे का कर्तव्यबोध दुनिया में एक मिसाल बना है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना के पहले तीन शब्द 'वी द पीपल' यानी हम लोग शब्द कहीं न कहीं हमारे कर्तव्य बोध को ही दर्शाते हैं। जो हमें बताते हैं कि हम तमाम संकीर्णताओं और निजी हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय सरोकारों को प्राथमिकता दें। एक सशक्त व समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिये नागरिकों में कर्तव्यबोध अपरिहार्य शर्त है। यह जरूरत जीवन के हर क्षेत्र में है। अब चाहे यातायात का मसला हो या सार्वजनिक जीवन में आम व्यवहार हो। अपने दायित्वों से विमुख होकर किया गया हमारा कोई भी व्यवहार किसी दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का अतिक्रमण कर रहा होता है। कमोबेश ऐसी ही सोच कालांतर कानून-व्यवस्था की समस्या को जन्म देती है। ये कर्तव्य हमें एक आदर्श नागरिक का जीवन जीने को प्रेरित करते हैं। जो हमें इस बात का भी अहसास कराते हैं कि ईमानदारी से टैक्स देने और सार्वजनिक सेवाओं का उपयोग करते हुए हमें ईमानदार रहना चाहिए। यह जानते हुए कि हमारे द्वारा दिये गये किसी भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर से मिली जमापूंजी देश में विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। करों से अर्जित आय से बेहतर संरचनात्मक विकास, स्कूलों, अस्पतालों और अन्य सार्वजनिक सेवाओं का विस्तार होता है। इसके लिये जरूरी है कि हमारे व्यक्तिगत हित राष्ट्रीय हितों की सीमाओं का अतिक्रमण न करें। यह कर्तव्यबोध हमारी बस या रेल यात्रा और सार्वजनिक जीवन व्यवहार में भी होना चाहिए।

> यह जानते हुए कि हमारे द्वारा दिये गये किसी भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर से मिली जमापूंजी देश में विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। करों से अर्जित आय से बेहतर संरचनात्मक विकास, स्कूलों, अस्पतालों और अन्य सार्वजनिक सेवाओं का विस्तार होता है।

सांस्कृतिक सामंजस्य में राष्ट्रीय एकता के सूत्र

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी बात कहने के लिए हिंदी का सहारा ही हमें विशिष्ट पहचान देगा और अगर सब स्थानीय भाषाओं का अमर साहित्य हिंदी में अनूदित करके राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित कर दिया जाए तो यह देश का सांस्कृतिक गौरव ही नहीं बढ़ाएगा बल्कि एक ऐसा कोलाज बन जाएगा जिसमें हर रंग एक ही बात कहेगा, और वह बात होगी मानवीयता की, राष्ट्रीयता एकता की और निरंतर विकास की।

सुरेश सेठ

लेखक वरिष्ठ साहित्यकार हैं।

इस समय देश में अपने खोये हुए चेहरे की तलाश हो रही है। इसका संदेश प्रधानमंत्री मोदी भी दे रहे हैं और उसके साथ ही साथ अन्य विद्वान और विषय-निपुण बुद्धिजीवी भी यही कह रहे हैं कि हमने आज अंग्रेजियत के बहाव में उसे प्रतिष्ठासूचक संदेश मानकर अपने चेहरे खो दिए, अपनी संस्कृति जड़विहीन कर दी। हाय-बाय संस्कृति को अपनाकर अंग्रेजियत के गुलाम हो गए। संगीत को देख लीजिए, जिसमें जब भक्ति संगीत उभरता था तो हर जनमानस को हर्षा जाता था, जब दर्द भरे संगीत की लयबद्ध धुनें सामने आती थीं तो आदमी इस घिसी-पिटी दुनिया से किसी नई दुनिया में चला जाता था जहां वायवीय अनुभव उसके इर्द-गिर्द रहते थे। लेकिन अब क्या हो गया? कहां से आ गया यह आयातित संगीत, आयातित बौद्धिकता जिसने न केवल हमारी सांस्कृतिक गहराइयों को नेपथ्य में फेंक दिया बल्कि हम प्रतिष्ठासूचक उधार के चेहरे को लेकर घूमने लगे।

ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने बनारस में अपनी संस्कृति को एकसूत्र में बांधने वाली काशी तमिल संगमम का आह्वान देकर इसे विविधताओं का उत्सव मनाने की बात कही है। यही हमारे संविधान की आवाज है, अनेकता में एकता। यह एकता जब होगी तो वह ऊर्जावान राष्ट्रीय एकता बनेगी। अपने-अपने हिस्से का हिंदुस्तान नहीं बांटना चाहिए। ऐसे दो भाग भारत के न बनें कि जहां उत्तरी भारत के सांस्कृतिक स्वर दक्षिण तक नहीं जाते और दक्षिण के स्वर उत्तर भारतीयों को अजनबी लगते हैं। इसकी वजह से ही कट्टरता पैदा होती है। क्षेत्रवाद पैदा होता है और एक-दूसरे को न सहने की भावना पैदा होती है।

पीएम मोदी ने इस संगम का उत्सव मनाते हुए सही कहा कि काशी देश की सांस्कृतिक राजधानी है और तमिलनाडु व तमिल संस्कृति भारत की प्राचीनता का गौरव केन्द्र है। क्यों न दोनों का संगम हो? बीच में खड़ी लकीरें मिट जाएं, क्योंकि आज अपनी विरासत को बचाना है। उसे समृद्ध करना है और इसके लिए भाषा भेद को दूर करके भावनात्मक एकता कायम करनी है। क्यों भूलें हम कि काशी में बाबा विश्वनाथ हैं जबकि तमिलनाडु पर भगवान रामेश्वरम का आशीर्वाद है। काशी व तमिलनाडु दोनों शिवमय और शिव के आशीर्वाद से पूरित हैं। तमिलनाडु में तो एक दक्षिण काशी भी है। तो क्यों न इनके बीच पुल बनाने की वकालत करके सामंजस्य पैदा किया जाए। इसी सामंजस्य को पैदा करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र बनारस

में भी इस सामंजस्य का उत्सव मनाने की बात कही है। इसमें नदियों और धाराओं के संगम से लेकर विचारधाराओं और ज्ञान-विज्ञान के हर संगम का उत्सव मनाना है।

अपने आप को प्रतिष्ठित करने और अपनी धरती, अपनी लोक विरासत पर गर्व करने के लिए अपने क्षेत्र की भाषा बहुत महत्व रखती है। दक्षिण भारत में आंध्र प्रदेश में तेलुगू, तमिलनाडु में तमिल और उधर पश्चिम बंगाल में बंगाली न केवल महत्वपूर्ण हैं बल्कि उनका अमर साहित्य भी रचा गया है। इधर पंजाब में पंजाबी है। यह अच्छी बात है कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने पंजाबी भाषा के महत्व को न केवल स्वीकार किया है बल्कि उसको मान्य बनाने के उचित प्रयास शुरू किए हैं। इसमें अभी किया गया यह प्रयास भी शामिल है, यह नया आदेश कि पंजाबी भाषा हर बाजार, हर साइन बोर्ड पर पहली भाषा के स्थान पर लिखी जाए। आज तक यह होता रहा है कि पहली भाषा तो अंग्रेजी रहती है। उसके बाद अपनी भाषा को कहीं बहुत उपेक्षणीय स्थान दे दिया जाता है।

भगवंत मान की सरकार ने कहा है कि यह उपेक्षा अब नहीं होगी। महाराष्ट्र तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल अपनी पहचान बनाए रख सके क्योंकि उन्होंने अपनी भाषा का साथ नहीं छोड़ा। यहां पंजाब में आधुनिकता का बहाव, सबसे आगे निकल जाने का जुनून कुछ ऐसा रहा कि हम साइन बोर्डों से लेकर रेस्तराओं तक पंजाबी का तिरस्कार कर अंग्रेजी को शिखर पर बिठाते रहे, उसे शिरोधार्य करते रहे। भगवंत मान ने इस परिपाटी से परे हटने का साहस किया है। उन्होंने कहा कि 21 फरवरी तक जब अंतर्राष्ट्रीय भाषा दिवस मनाया जाएगा, पंजाबी में साइन बोर्ड लगें।अन्य राज्यों में अपनी-अपनी मातृभाषा का सम्मान करने के लिए कोई जन आंदोलन चलाने की जरूरत नहीं है लेकिन पंजाब में अंग्रेजियत और संपन्नता का ऐसा सैलाब है कि उसमें हमारी पंजाबी खो गई। हीर-वारिस शाह की आवाज कम और डिस्को की आवाज ज्यादा तेज होती नजर आती है। भगवंत मान ने इस बनी लकीर से हटने का पंजाबियों को आह्वान किया है। यह भी कहा कि पंजाबी तो दुनिया के हर हिस्से में बसे हैं और अपने अस्तित्व की उपादेयता जता रहे हैं। याद रखें, कोई संस्कृति समृद्ध नहीं होती, अगर उसका आधार उसकी मातृभाषा नहीं है। तो यहां क्यों न गुरुओं, पीरों और शहीदों की भूमि पंजाब की अपनी भाषा में उसके सांस्कृतिक गौरव का बखान हो।

विदेशों में चाहे फ्रांस हो, अमेरिका हो या फिर इंग्लैंड, लोग अपनी-अपनी भाषा बोलना पसंद करते हैं। पर यहां पंजाब में क्यों यह किट्टी कल्चर अंग्रेजी में बतियाने पर विवश करता है- इससे बचें और हमारी भावी पीढ़ी को पंजाबी में लिखे गए साहित्य, गीत, कविता और विरासत से जुड़ी अन्य सामग्री से परिचित करवाएं।

ऐसे कदम बेशक हरियाणा में हरियाणवी भाषा, उत्तर प्रदेश में भोजपुरी और मैथिली को समृद्ध करने के लिए भी उठाने चाहिए। निश्चय ही इसके लिए एक नया विश्वास, नई आस्था और एक नई भाव-भूमि पैदा करनी होगी। इसकी पहचान भगवंत मान कर रहे हैं और लगातार पंजाबी भाषा की समृद्धि के लिए कदम उठा रहे हैं। लेकिन अपनी भाषा को स्थापित करने, क्षेत्र विशेष के साहित्य को जन-जन तक पहुंचाने और भाषा को उसकी जगह पुनः स्थापित करने के इस जुनून में यह नहीं होना चाहिए कि हम और जरूरी बातों को भूल जाएं। पहली बात कि भारत की लगभग सभी भाषाओं की मां संस्कृत है और संस्कृत मां के उदर से पैदा हुई भाषाएं अपना-अपना रंग बिखेरकर भारत के सांस्कृतिक आकाश को इंद्रधनुषी रंग दे रही हैं। यह इन्द्रधनुषी रंग किसी भी भाषा की तरफ जरूरत से अधिक पलड़ा झुकाकर बिखरना नहीं चाहिए। हम एकसूत्रता की बात करते हैं। उत्तर-दक्षिण के सामंजस्य की बात कर रहे हैं लेकिन ऐसा क्यों हो रहा है कि हम आजादी का अमृत महोत्सव मना लेने के बाद भी हिंदी को उसका यथोचित स्थान नहीं दे पाए। यह अभी तक देश की राष्ट्रभाषा नहीं है। वहीं राजभाषाओं के नाम पर जो पहचान मिल रही है वह केवल हिंदी को ही नहीं, बल्कि इसके साथ हर राज्य की अलग-अलग भाषा को भी मिल रही है। इसके साथ हिंदी को उसी क्षेत्रीय कोष्ठक में न डाला जाए क्योंकि देश की संपर्क भाषा तो हिंदी ही रहेगी। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी बात कहने के लिए हिंदी का सहारा ही हमें विशिष्ट पहचान देगा और अगर सब स्थानीय भाषाओं का अमर साहित्य हिंदी में अनूदित करके राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर स्थापित कर दिया जाए तो यह देश का सांस्कृतिक गौरव ही नहीं बढ़ाएगा बल्कि एक ऐसा कोलाज बन जाएगा जिसमें हर रंग एक ही बात कहेगा, और वह बात होगी मानवीयता की, राष्ट्रीयता एकता की और निरंतर विकास की।

किसने क्या कहा...

लोकतंत्र भारतीय जीवनशैली है, देश ने संविधान के जरिए लोकतंत्र को समृद्ध बनाया : ओम बिरला

गुजरात का विश्वास जीतने के लिए कांग्रेस को बांटों और राज करो की रणनीति छोड़नी होगी: मोदी

आतंकवाद से लड़ने और देश को एकजुट रखने के लिए हमारे दो प्रधानमंत्रियों ने बलिदान दिया:मल्लिकार्जुन खड़गे

अखिलेश-शिवपाल का पुनर्मिलन नाटक नहीं: रामगोपाल यादव

कार्टून...

वैदिक विचार

स्वामी विद्यानंद 'विदेह'

बिगड़ी बनाना

सम्प्रच्यवध्वमुप सम्प्रयातागने पथो देवयानान् कृणुध्वम्।
पुनः कृण्वाना पितरा युवानान्वातांसीत् त्वयि तन्तुमेतम्। य 15.53

बनी को बिगाड़ना सरल है किन्तु बिगड़ी को बनाना कठिन है। बनी को बिगाड़ने के लिए किसी विशेष कौशल की आवश्यकता नहीं होती है किन्तु बिगड़ी को बनाने के लिए उत्कट कर्मकुशलता की आवश्यकता होती है। बनी को बिगाड़ने में देर नहीं लगती है किन्तु बिगड़ी को बनाने में बहुत समय लगता है। बनी को बिगाड़ने में बहुत श्रम नहीं करना पड़ता है किन्तु बिगड़ी को बनाने के लिए दीर्घ-सुदीर्घ साधना करनी पड़ती है। आसुरी वृत्ति को तो मनुष्य अनायास ही प्राप्त हो जाता है, और आसुरी वृत्ति से युक्त होकर वह बने-बनाए खेलों को क्षण-भर में यों ही बिगाड़ देता है। परन्तु दैवी वृत्ति से निष्पन्न होने के लिए उसे प्रबल प्रयास करना पड़ता है, और दैवी वृत्ति से युक्त होकर बिगड़े खेलों को फिर से बनाने के लिए पर्याप्त समय तक तप, श्रम और अध्यवसाय करना पड़ता है। और इसमें भी संदेह नहीं कि व्यक्ति हो वा समाज, परिवार हो वा संस्था, राज्य हो वा राष्ट्र, सब कोई स्वयं ही अपना भाग्यविधाता है। प्रत्येक स्वयं ही अपने सौभाग्य वा दुर्भाग्य का निर्माता है, और स्वयं ही अपनी बनी को बिगाड़नेवाला वा अपनी बिगड़ी को बनानेवाला है।

आज का विचार

–डॉ. विनोद दीक्षित

शुद्ध मन से परमात्मा की प्राप्ति होती है

जिसका मन जितना अशांत होता है वह परमसुख से उतना ही दूर रहता है। इसलिए हमारे ऋषि प्रार्थना करते हैं मेरी वाणी मेरे मन में स्थिर हो जाए और मेरा मन मेरी वाणी में स्थिर हो जाए मन का भाव शुद्ध है तो बाहरी दिखावे की कोई आवश्यकता नहीं है और बाहर का दिखावा भी व्यर्थ है यदि मन की गांठ बंधी है। परमात्मा या परम सुख की प्राप्ति शुद्ध मन से ही हो सकती है। आज का दिन आपके लिए मंगलमय एवं कल्याणकारी हो। जय श्री राधे।

पत्र मिला

मीडिया की क्या जिम्मेदारी?

देश के एक मशहूर टीवी चैनल समूह की खरीदारी लगभग पूरी कर लेने के बाद अब उद्योगपति गौतम अडानी जब कभी मीडिया की भूमिका के बारे में बात करेंगे, तो बेशक लोग उस पर ध्यान देंगे। जिस समूह- यानी एनडीटीवी- को उन्होंने खरीदा है, वह सचमुच आम अपेक्षाओं के मुताबिक मीडिया की भूमिका निभाता रहा है, इस बारे में उचित ही लोगों में अलग-अलग राय हो सकती है। बहरहाल, अब मुद्दा यह नहीं है कि पुराने प्रबंधन के तहत ये समूह क्या करता था। अब नजरें इस पर टिकी हैं कि अडानी के स्वामित्व में आने के बाद यह अपनी 'जिम्मेदारियों' को कैसे निभाएगा। इस बारे में अडानी ने जो कहा है, उससे बेशक एक साफ संकेत मिल गया है। एक ब्रिटिश अखबार को दिए इंटरव्यू में अडानी ने कहा कि मीडिया में उनका आना कारोबारी मौके के बजाय एक ÷जिम्मेदारी÷ है। मौजूदा समय में भारत को एक वैश्विक समाचार संगठन की जरूरत है जो अल-जजीरा जैसा हो और जो जरूरत पड़ने पर सरकार का समर्थन करे। उन्होंने कहा- ÷स्वतंत्रता का मतलब है कि जब सरकार कुछ गलत करे, तो आप उसे गलत कहें। लेकिन इसके साथ ही आप में यह हिम्मत भी होनी चाहिए कि जब सरकार हर दिन सही काम कर रही हो तो आपको उसे भी बताना चाहिए।÷ गौतम अडानी दुनिया के तीसरे सबसे अमीर आदमी हैं। करीब 134 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ उनके कारोबारी हितों में ऑस्ट्रेलिया की कोयले की खदानों से लेकर भारत के व्यस्ततम बंदरगाह तक शामिल हैं।

स्मृति व्यास,नई दिल्ली

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र नई दिल्ली होगा। प्रकाशित सामग्री या विज्ञापन से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्रवाई या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की जा सकती है।

अंतरिक्ष की दुनिया में भारत का परचम

इसरो

योगेश कुमार गोयल

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) एक के बाद एक नया इतिहास रच रहा है। बीते कुछ वर्षों में इसरो के वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष की दुनिया में कई बड़े मुकाम हासिल किए हैं। अब 26 नवम्बर को इसरो ने अंतरिक्ष की दुनिया में एक बार फिर कमाल करते हुए सफलता की नई इबारत लिखी है।आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से इसरो ने महासागरों के वैज्ञानिक अध्ययन और चक्रवातों पर नजर रखने के लिए तीसरी पीढ़ी के ओशनसैट सैटेलाइट का प्रक्षेपण किया। इसरो ने 44.4 मीटर लंबे अपने विश्वसनीय पीएसएलवी-54 रॉकेट से ईओएस-06 मिशन के तहत कुल 321 टन भार के साथ उड़ान भरी और ओशनसैट-3 सैटेलाइट के अलावा भूटान के एक उपग्रह सहित 8 नैनो उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण किया। यह इस वर्ष का इसरो का पांचवां और आखिरी कामयाब मिशन है। इसरो के पीएसएलवी (पोलर सैटेलाइट लांच व्हीकल) रॉकेट का यह 54वां तथा पीएसएलवी-एक्सएल प्रारूप का 24वां मिशन था। इसीलिए इसरो इस मिशन को पीएसलीवी सी-54 नाम दिया। पीएसएलवी-सी54 ने ईओएस-06 को पृथ्वी से 742 किलोमीटर की ऊंचाई पर अपनी कक्षा में प्रक्षेपण के बाद 17 मिनट में पहुंचाया और अन्य सभी 8 उपग्रह भी अपनी निर्धारित कक्षाओं में करीब 528 किलोमीटर ऊंचाई पर स्थापित किए गए तथा कुल दो घंटे के उड़ान समय में मिशन सफलतापूर्वक पूरा हुआ। इसरो के लिए यह मिशन बेहद खास इसलिए था क्योंकि इसरो के वैज्ञानिकों द्वारा पहली बार दो कक्षाओं में उपग्रह प्रक्षेपित किए गए, जिसमें ऑर्बिट चेंज थ्रस्टर्स (ओसीटी) उपयोग हुए। ओशनसैट को 742 किलोमीटर की ऊंचाई पर पहुंचाने के बाद पीएसएलवी-सी54 रॉकेट को नीचे की ओर लाया गया और बाकी 8 उपग्रह 513 से 528 किलोमीटर पर स्थापित किए गए।

इसरो के अंतरिक्ष की अलग-अलग कक्षाओं में स्थापित किए उपग्रहों की विशेषताओं की बात करें तो आनंद और थायबोल्ट निजी स्पेस कम्पनियों के भारतीय उपग्रह हैं, जिनमें पिक्सल कम्पनी के आनंद उपग्रह का कुल वजन

16.51 किलोग्राम है, जो व्यावसायिक उपग्रह क्षमता और तकनीक के प्रदर्शन के लिए अंतरिक्ष में भेजा गया है। 'आनंद' एक हाइपरस्पैक्ट्रल नैनो सैटेलाइट है, जिसमें 150 से अधिक तरंगदैर्ध्य हैं, जो इसे आज के गैर-हाइपरस्पैक्ट्रल उपग्रहों (जिनकी तरंग दैर्ध्य 10 से अधिक नहीं है) की तुलना में अधिक विस्तार से पृथ्वी की तस्वीरें लेने में सक्षम बनाएंगी। पिक्सल के सीईओ के मुताबिक 'आनंद' उपग्रह विस्तृत रूप से पृथ्वी का अवलोकन कर सकता है और पिक्सेल के उपग्रहों से ली गई तस्वीरों का उपयोग कीटों की अधिक संख्या में मौजूदगी तथा तेल पाइपलाइन में रिसाव का पता लगाने में किया जा सकता है। पिक्सेल अपना तीसरा हाइपरस्पैक्ट्रल उपग्रह प्रक्षेपित करने को भी तैयार है। स्टार्टअप ध्रुव स्पेस कम्पनी के दो उपग्रहों थायबोल्ट-1 और थायबोल्ट-2 का कुल वजन 1.45 किलोग्राम है। एस्ट्रोकास्ट के रूप में तकनीकी प्रदर्शन के लिए अमेरिका की स्पेसफ्लाइट की ओर से भेजे गए 17.92 किलोग्राम वजनी चार उपग्रह इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) तकनीक में उपयोग होंगे।

भूटानसैट भारत और भूटान का ज्वाइंट सैटेलाइट है, जो एक टैक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर है और स्पेस के क्षेत्र में भूटान को भारत द्वारा दिए जा रहे सहयोग का प्रदर्शन है। भूटान का 30 सेंटीमीटर क्यूबिक नैनो सैटेलाइट 'आईएनएस-2बी' 18.28 किलो वजनी है, जिसमें दो उपकरण नैनोएमएक्स और एपीआरएस-डिजिपीटर लगे हैं। नैनोएमएक्स अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र द्वारा विकसित एक मल्टीस्पैक्ट्रल ऑप्टिकल इमेजिंग पेलोड है जबकि एपीआरएस-डिजिपीटर पेलोड संयुक्त रूप से भूटान के सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार विभाग तथा बेंगलुरू के यूआर राव सैटेलाइट सेंटर द्वारा विकसित किया गया है। इस सैटेलाइट के माध्यम से भूटान ने अंतरिक्ष में पहला कदम रखा है, जिसमें उसे भारत ने मदद दी है। भूटानसैट में रिमोट सेंसिंग कैमरा लगे हैं और यह सैटेलाइट रेलवे ट्रैक बनाने, ब्रिज बनाने जैसे विकास संबंधी कार्यों में मदद करेगा तथा भारत और भूटान दोनों ही देशों को कवर करेगा। आईएनएस-2बी के उपकरणों के जरिये भूटान में प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर प्रबंधन होगा तथा शौकिया तौर पर रेडियो उपयोग करने वालों को भी सेवाएं मिलेंगी।

इसरो के इस मिशन में शामिल भूटान के उपग्रह आईएनएस-2बी को लेकर भारत के विदेशमंत्री एस जयशंकर का कहना है कि भूटान तथा भारत ने इस मिशन से एक ऐतिहासिक पड़ाव पार किया है और अंतरिक्ष तथा तकनीक में हासिल उपलब्धियों के जरिये दोनों देशों का सहयोग 21वीं सदी में प्रवेश कर चुका है।

उपदेश

एक दिन आनंद स्वामी महात्मा गांधी के साथ यात्रा पर थे। इस दौरान एक सामान्य व्यक्ति के साथ आनंद स्वामी की बहस हो गई। आम व्यक्ति ने किसी बात को लेकर कोई टिप्पणी की तो आनंद स्वामी ने उसे थप्पड़ मार दिया। वह व्यक्ति बहुत सामान्य था। इस कारण थप्पड़ खाने के बाद एक तरफ खड़ा हो गया। वह आनंद स्वामी से कुछ बोल भी नहीं सकता था। कुछ देर बाद ये बात गांधी जी तक पहुंची। गांधी जी चाहते तो इस बात को नजरअंदाज करके आगे बढ़ सकते थे, लेकिन उन्होंने आनंद स्वामी से पूछा, 'क्या तुमने उस व्यक्ति को थप्पड़ मार दिया?' आनंद स्वामी ने जवाब दिया, 'हां, उस समय मैं गुस्से में था और मेरा हाथ उस पर उठ गया।' गांधी जी बोले, 'ठीक है, उस समय तुम गुस्से में थे, लेकिन अब तो तुम्हारा गुस्सा शांत हो गया है, जाओ और उससे माफी मांगो।' आनंद स्वामी को ये बात ठीक नहीं लगी कि एक सामान्य व्यक्ति से माफी मांगनी होगी, लेकिन गांधी जी का आदेश था तो आनंद ने उस व्यक्ति से माफी मांग ली। बाद में गांधी जी ने उनसे पूछा, 'अब कैसा लग रहा है?' आनंद स्वामी बोले, 'हल्का लग रहा है। मैंने जो किया वह ठीक नहीं था, लेकिन माफी मांगने के बाद थोड़ा अच्छा लग रहा है।' गांधी जी ने उससे कहा, 'कभी भी ये मत सोचना कि तुम खास हो और दूसरा आम है। परमात्मा के लिए सभी मनुष्य समान हैं। आम और खास तो हम बनाते हैं, लेकिन फिर भी शिक्षा, पद, प्रतिष्ठा और मेरे साथ रहने के कारण तुम विशिष्ट हो गए तो कभी ये मत सोचना कि दूसरे लोग सामान्य हैं। आत्मा का सम्मान सभी के लिए बराबर है।'

> *एक सामान्य व्यक्ति के साथ आनंद स्वामी की बहस हो गई। आम व्यक्ति ने किसी बात को लेकर कोई टिप्पणी की तो आनंद स्वामी ने उसे थप्पड़ मार दिया। वह व्यक्ति बहुत सामान्य था। इस कारण थप्पड़ खाने के बाद एक तरफ खड़ा हो गया। वह आनंद स्वामी से कुछ बोल भी नहीं सकता था।*

गाय की बछिया का पहला जन्मदिन बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया

अमर ख्याल ब्यूरो

महसी (बहराइच) महसी क्षेत्र के ग्राम पंचायत करेहना में रहने वाले समाजसेवी ब्राह्मण सेवा संस्थान के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनोज अवस्थी ने अपने परिवार के साथ गाय की बछिया का पहला जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से मनाया। आपने अपने आसपास बच्चों और बड़ों को जन्म दिवस मनाते हुए जरूर देखा होगा लेकिन क्या आपने सोचा होगा कि पशुओं का भी जन्मदिन मनाया जाता है आज कुछ ऐसा ही देखने को मिला है ग्राम पंचायत करेहना में जो गाय की बछिया का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। बछिया को कुमकुम, पुष्प, चंदन, धूप, दीप आदि से पूजा करके माला पहना कर अंग वस्त्र डालकर जन्मदिन मनाया इन्होंने बताया कि गाय हम सभी की माता है और गाय की हम सभी को पूजा करनी चाहिए और कहा कि जो गाय आवारा घूम रही हैं उनको एक एक करके सभी किसानों को बांध लेना चाहिए क्योंकि अगर गौ माता को कोई कष्ट होगा तो हम लोग सुखी नहीं रह पाएंगे।

नाजायज तमंचा कारतूसों के साथ दो को दबोचा

संवाददाता चमन अली

मौदहा हमीरपुर कोतवाली पुलिस ने दो युवकों नाजायज तमंचा और कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है। कोतवाली पुलिस ने मांचा निवासी लुकमान खान पुत्र स्व. हुसैन खान और संतोष यादव पुत्र जगदेव निवासी गुसियारी को नाजायज तमंचा 315 बोर और एक एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पकडे गए आरोपियों के विरुद्ध 3/25 के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया है

भूंमाफिये दबंगों से अपनी जमीन को बचाने को दर-दर ठोकरें खाने को मजबूर है वृद्ध

अमर ख्याल ब्यूरो

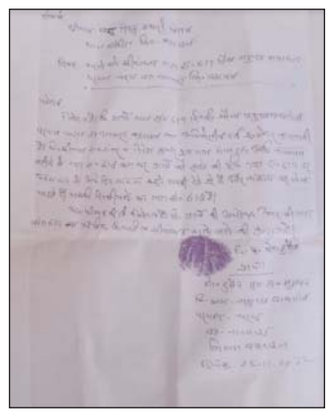

बाबागंज (बहराइच) रुपईडीहा थाना अंतर्गत पुलिस चौकी बाबागंज क्षेत्र निवासी 95 वर्षीय वृद्ध अपनी आराजी को दबंगो भुंमाफियों के चंगुल से बचाने के लिये दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है। कस्बा बाबागंज निवासी मो. हुसैन ने 26 नवम्बर शनिवार को थाना दिवस के अवसर पर एक प्रार्थना पत्र देकर अपनी जमीन गाटा स. 619 स्थिति ग्राम पंचायत जमुनहा बाबागंज की पैमाइस कराने के सम्बंध में दिया है। पीड़ित का कहना है कि उसकी भूँमि पर कस्बा के ही रामशंकर व दिनेश कुमार आदि जो दबंग किस्म के व्यक्ति हैं जो नाजायज अवैध तरीके से उसकी बेशकीमती जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। जबकि वह अवस्था के चलते चलने फिरने से लाचार है। विपक्षीगण ऊँची पहुँच व अपनी रसूख के चलते असहाय निर्बलों व कमजोरों की आराजी पर स्थानीय पुलिस व क्षेत्रीय लेखपाल के सहयोग से कब्जा करने के आदी हैं। और इन लोगों ने जलाशय व गड्ढे जैसे सरकारी भूँमि को भी कब्जा कर रखा है। इनके विरुद्ध यदि कोई शिकायत करता है तो स्थानीय पुलिस शिकायतकर्ता पीड़ितों के ऊपर फर्जी मुकदमें में बन्द करने व विभिन्न तरह से उत्पीड़न किया जाता है। क्षेत्रीय लेखपाल भज्जू राम व स्थानीय पुलिस के शह पर अवैध रूप से कब्जा करने की बराबर धमकी दी जा रही है। विपक्षीगण एलानिया तौर पर कहते हैं। कि थाना व प्रशासन सब मेरा है तुम हमारा कुछ नही बिगाड़ पाओगे हम पानी की तरह पैसा बहाते हैं। तुम चाहे जितनी प्रार्थना पत्र दो किसी की हिम्मत नही है कि वह गाटा स. 619 की पैमाइस करा दे। पीड़ित ने यह भी बताया कि विपक्षीगण कब्जा करने के उद्देश्य से पटाई हेतु मिट्टी, टीन चादरें, ईंट, बल्लियां इत्यादि वस्तुओं एकत्रित की गयी हैं को तत्काल हटवाये जाने व विपक्षीगण भुंमाफियों के चंगुल से उसकी आराजी मुक्त कराके जानमाल की सुरक्षा हेतु शासन व प्रशासन को पत्र भेज कर न्याय दिलाये जाने की मांग की है।

भारतीय अटल सेवा द्वारा चलाया गया जागरूकता अभियान

अमर ख्याल ब्यूरो

सीतापुर । इउन्नाव में प्रदेश अध्यक्ष नीरज झा के निदेर्शानुसार जिला अध्यक्ष पुनीता दीक्षित व मंत्री कृति शर्मा के नेतृत्व में जिला उन्नाव में तहसील काशीराम कॉलोनी में भारतीय अटल सेवा के पदाधिकारियों द्वारा लोगों को स्वास्थ्य व शिक्षा के प्रति जागरूक करते हुए जेबीयान इंडस्ट्रीज द्वारा मुफ्त सेनेटरी नैपकिन ,प्रतिष्ठा हॉस्पिटल द्वारा आयरन व कीडे. की टेबलेट्स का वितरण किया गया। भारतीय अटल सेवा के पदाधिकारियों द्वारा बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुये बच्चो को फल,कटर,पेन्सिल,टाफी,बिस्कुट, बांटे गए। इस मौके पुनीता दीक्षित जी ने महिलाओं और बच्चों को संबोधित करते हुये की भारतीय अटल सेवा संगठन महिलाओ और बच्चो पर होने वाले शोषण ओर अत्याचारो के विरुध्द मे हमेशा आपके साथ है। वहीं कोषाध्यक्ष अनामिका अग्निहोत्री जी ने महिलाओं व बालिकाओं के साथ बालकों में भी संस्कार देने की बात कही ।अभिभावको से अपने बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार करने की अपील की। ताकि कुछ घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। इस इस अवसर पर जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा पुनीता दीक्षित जिला उपाध्यक्ष गुड़िया चौहान जिला महामंत्री पूजा गौतम जिला मंत्री ममता सिंह नगर अध्यक्ष शुक्लागंज नीता सिंह जयंती शुक्ला सरिता शुक्ला आदि भारतीय रेल सेवा संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे

महात्मा ज्योतिराव फुले परिनिर्वाण दिवस पर दी श्रद्धांजलि

अमर ख्याल , राजेश कुमार

मथुरा। जनपद के गोकुल बैराज रोड़ औरंगाबाद स्थित महात्मा फुले वाटिका पर महात्मा ज्योतिराव गोविंदराव फुले जी के 132 वें परिनिर्वाण दिवस पर महात्मा ज्योतिराव फुले विकास समिति उत्तर प्रदेश के द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया इस दौरान संभ्रांत लोगों ने महात्मा ज्योतिराव फुले के योगदान को याद करते हुए उनके द्वारा किए गए नारी जाति के शिक्षा क्षेत्र में सुधार एवं उठाए गए कदम को प्रेरक एवं आज भी प्रसांगिक बताते हुए महात्मा ज्योतिराव फुले जी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की समिति अध्यक्ष रमेश सैनी ने बताया की महात्मा ज्योतिराव फुले के सपनों का भारत शिक्षा समानता का भारत है जिसे हम सब पूरा करने का संकल्प लेते हैं अपने संबोधन में अखिल भारतीय समता फाउंडेशन के अध्यक्ष लुकेश कुमार राही व राजेश सैनी ने संयुक्त रूप से कहा कि वर्तमान राज्य व केंद् की सत्ता में बैठे लोग महात्मा ज्योति राव फूले के सपनों को कुचलने का कुकृत्य कर बहुजन महापुरुषों के आंदोलन की उपेक्षा कर रहे हैं संगठित होकर उन्हें सबक सिखाने की आवश्यकता है श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में रमेश सैनी लुकेश कुमार राही, संजय बीडीसी खेमचंद सैनी योगेश सैनी राजेश सैनी विजेंद्र सैनी प्रेमचंद सैनी लीलाधर सैनी ओम प्रकाश सैनी लालचंद सैनी कृष्णा सैनी राजकुमार सैनी आदि उपस्थित थे

रामपुर कला में पीआरवी पुलिस पीड़ित को न्याय दिलाने के बजाय चमड़ी उधेड़ देने की दे रहे धमकी

सिधौली सीतापुर डायल112पर सहायता के लिए करोगे फोन तो उधेड दी जाएगी चमड़ी ऐसा हम नहीं कह रहे वीडियो में पीड़ित ने बताया

मनोज वैश्य

सीतापुर । थाना रामपुर कला क्षेत्र तेंदुआ भौरी गांव का मामला है जिसका मामला उप जिला अधिकारी महमूदाबाद में चल रहा है जिस जमीन का विवाद है उसी जमीन पर लगे काफी पुराने पकरिया के पेड़ को दबंगों के द्वारा दबंगई दिखाते हुए दिनदहाड़े काटा जा रहा था जिसको लेकर पीड़ित ने डायल112 पुलिस को सहायता के लिए फोन किया मौके पर पुलिस काफी देर बाद पहुंची डायल112 के सिपाहियों ने पीड़ित की ना सुनकर दबंगों के गुण गाने लगी और पीड़ित को धमकाते हुए दोबारा कभी 112 नंबर पर सूचना न देने को बोलते हुए कहा अगर दोबारा 112 नंबर पर कॉल करोगे तो चमड़ी उधेड़ दूंगा पीड़ित ने वीडियो में बयान के माध्यम से 112 नंबर गाड़ी पर तैनात सिपाहियों पर दबाव और धमकी देने का आरोप लगाते हुए बताया कि हमने रामपुर कला थाने में लिखित शिकायत पत्र दिया है थानाध्यक्ष रामपुर कला के द्वारा बताया गया है कि मौका लेकिन सवाल तो या उठता है कि थाना रामपुर कला में तैनात वढ 32 उ्र 1825 मैं तैनात सिपाहियों की अभद्रता पर रामपुर कला थाना अध्यक्ष और सीतापुर पुलिस की क्या कार्रवाई की जाएगी या फिर पी आर वी पर तैनात सिपाहियों के द्वारा क्षेत्र में पीड़ितों पर इसी तरह दबाव बनाया जाता रहेगा

बुंदेलखंड रक्तदान समिति के सहयोग से दो पीड़ितों को मिला जीवनदान

संवाददाता चमन अली

हमीरपुर । जिला अस्पताल में भर्ती विकास भवन कुछेछा निवासी पिता रामपाल की 13 वर्षीय पुत्री खुशी को अचानक बुखार आ जाने के कारण उसे खून की कमी हो गई जिस पर बुंदेलखंड रक्तदान समिति के सदस्य शिवा ने एक यूनिट ए रक्तदान करके बच्ची को दिया जीवनदान । इसी प्रकार जिला अस्पताल में भर्ती रमेड़ी निवासी जालिम प्रजापति के पुत्र कालका प्रसाद को बुखार आ जाने के कारण उन्हें खून की कमी हो गई ।जिस पर बुंदेलखंड रक्तदान समिति के सदस्य दीपक गौतम ने 1 यूनिट पॉजिटिव रक्तदान करके कालका प्रसाद को दिया जीवनदान ।बुंदेलखंड रक्तदान समिति दोनों महारक्तदानियों को हृदय से आभार व्यक्त किया।

दबंग मोरंग माफियाओं द्वारा 22/14 में असलहो के बल पर किया जा रहा मौरंग का अवैध खनन, वीडियो वायरल

मौरंग माफिया एनजीटी के नियमों की खुले आम उडा रहें धज्जियाँ

संवाददाता चमन अली

हमीरपुर। प्रदेश में सरकार सपा की रही हो या फिर वर्तमान में भाजपा की ही क्यों न हो हमीरपुर जिले की मौरंग खदानों में अवैध खनन रुकने का नाम नहीं ले रहा है। जिले में ऐसी खदानें हैं जो वैध की आड़ में लगातार अवैध कार्य कर रहे हैं। भारी ओवरलोड वाहनों की निकासी लगातार चल रही है। सीसीटीवी कैमरे के नाम पर महज दिखावा है धर्म कांटे के नाम पर मात्र बेवकूफ बनाने का धंधा चल रहा है। सैकड़ों की तादाद में रोज ओवरलोड ट्रक इन्हीं खदानों से निकलते हैं और जिम्मेदार अधिकारी अधिकांश तमाशबीन बने रहते हैं।वहीं चंड़ौत के रिरुआ बसरिया खंड 22/14 के दबँग मौरंग माफिया का असलहा धारियों के साथ खड़े होने का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। जरिया थाना क्षेत्र के चंड़ौत के रिरुआ बरसरिया खंड संख्या 22/14 में मौरंग माफिया असलहों के बल पर प्रतिबंधित आधा दर्जन पोकलैण्ड मशीनों से अवैध खनन करने में मशगुल है। वहीं माफिया ग्रामीणों के हरे भरे खेतों को जेसीबी मशीन से उजाड़ कर खेतों के बीच से रास्ता निकाल कर ओवरलोड ट्रको की निकासी असलहों के बल पर करने में मशगुल है। जब कृषक अपने खेतों से ओवरलोड ट्रको के निकलने पर मना करते है तो असलहा धारी माफिया कृषकों को जान माल की धमकी भी दे डालते है।दबँग खनन माफिया का असलहों के साथ वीडियो जमकर वायरल हो रहा है।इस वीडियो में खनन माफिया लगभग आधा दर्जन असलहा धारियों के साथ खड़े हो कर अवैध खनन करने में लगा है।पैसों की लालच में अंधे ये खनन माफिया ना तो प्रशासन की बात सुनते है और ना ही एन जी टी के नियमों का पालन करते हैं। यहां कैमरे के नाम पर महज दिखावा लगा है। धर्म कांटे के नाम पर मात्र बेवकूफ बनाने का धंधा चल रहा है।

बता दे कि अधिक्तर खदानों में जिला बदर किस्म के अपराधियों को ये खनन माफिया शरण देते है। जिन्हे न तो पुलिस का भय होता है और न हीं किसी प्रशासन का। खदान माफिया पुलिस से साठगाठ कर इन शातिर अपराधियों को शरण में लेकर उन्हें लायसेंसी व अवैध असलहा धमा कर दबँगई के बल पर एनजीटी के नियमों को ताक में रख कर अवैध खनन किया जाता है

सदस्य पूर्वांचल विकास बोर्ड ने किया वृद्धाश्रम का निरीक्षण

अमर ख्याल , अहमद रजा

बलरामपुर । सदस्य पूर्वांचल विकास बोर्ड उत्तर प्रदेश सरकार बौद्ध अरविंद सिंह पटेल जी के द्वारा समाज कल्याण विभाग द्वारा सहायतित एवं थारू जनजाति महिला विकास समिति द्वारा संचालित वृद्धाश्रम आबर गौरा रोड जनपद बलरामपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संवासीकक्ष , भोजनालय, पुस्तकालय , मनोरंजनकक्ष , पूजाघर , रसोईघर , शौचालय , स्नानागार , तथा भंडारगृह व भण्डार में रखें सामग्री की गुणवत्ता देखी। आश्रम में निवासरत वृद्धजनों से एक-एक करके दी जा रही सुविधाओं के बारे में नाश्ता भोजन दवा पेंशन सम्बंधी जानकारी प्राप्त किया गया तथा अभिलेखों का अवलोकन करते हुए साफ सफाई व्यवस्था से संतुष्ट रहें। इस मौके पर श्रीमान एम0पी0सिंह जिला समाज कल्याण अधिकारी बलरामपुर रमेश कुमार यादव प्रबंधक वृद्धाश्रम व समस्त कर्मचारी तथा वृद्धजन उपस्थित रहें

माघ मेला के सकुशल सम्पन्न होने की मंगल कामना हेतु संगम तट पर किया गंगा पूजन

मनोज त्रिपाठी

प्रयागराज। पतित पावनी गंगा-यमुना-सरस्वती के त्रिवेणी संगम के पावन तट पर सोमवार को माघ मेला 2022-23 के सकुशल सम्पन्न होने की मंगल कामना हेतु मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत, मेलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान, बाघम्बरी मठ के महंत बलबीर गिरी महाराज तथा धमार्चार्यों एवं अन्य पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोचार के साथ गंगा पूजन किया और मां गंगा से माघ मेला को सकुशल एवं निर्विघ्न रूप से संपन्न कराने की कामना करते हुए आशीर्वाद मांगा। गंगा पूजन के पश्चात मण्डलायुक्त मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि माघ मेले को सकुशल एवं निर्विघ्न रूप से सम्पन्न कराया जायेगा तथा मेले की सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएंगी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मेला आदित्य प्रसाद शुक्ल, एसडीएम मेला संत कुमार एवं आशुतोष कुमार राय सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण, तीर्थपुरोहित एवं धमार्चार्यों के अलावा अन्य लोग उपस्थित रहे।

पॉयनियर पब्लिक स्कूल एण्ड कॉलेज, में मनाया गया ह्यह्यगुरू तेग बहादुर शहीदी दिवस

अमर ख्याल अहमद रजा

बलरामपुर । शहर के अग्रेंजी माध्यम विद्यालय पॉयनियर पब्लिक स्कूल एण्ड कॉलेज, बलरामपुर में ह्यह्यगुरू तेग बहादुर शहीदी दिवसह्यह्य मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबन्ध निदेशक डा0 एम0पी0 तिवारी ने गुरू तेग बहादुर जी के चित्र पर पुष्प अपर्ण कर द्वीप प्रज्जवलित करते हुए नमन किया। साथ ही बच्चों को बताया कि गुरू तेग बहादुर जी का जन्म पंजाब के अमृतसर नगर में हुआ था। ये गुरू हरगोविन्द जी के पाँचवे पुत्र थे। गुरू तेग बहादुर जी सिखों के नौवें गुरू थे। विश्व इतिहास में धर्म एवं मानवीय मूल्यों, आदर्शो एवं सिद्धान्तों की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वाले में गुरू तेग बहादुर साहब का स्थान अद्धितीय है। धर्म उनके लिए सांस्कृतिक मूल्यों और जीवन विधान का नाम था। इसलिए धर्म के सत्य शाश्वत मूल्यां के लिए उनका बलि चढ़ जाना वस्तुतः सांस्कृतिक विरासत और इच्छित जीवन विधान के पक्ष में एक परम साहसिक अभियान था। हिंद दी चादर कहलाए जाने वाले नौवें गुरू तेग बहादुर जी ने धर्म और मानवता की रक्षा करते हुए हंसते-हंसते अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। उनकी शहादत हर साल शहीदी दिवस के रूप में याद की जाती है। उन्होनें आस्था, विश्वास और अधिकारों की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया इसलिए उन्हें सम्मान के साथ हिंद दी चादर कहा जाता है। गुरू तेग बहादुर शहीदी दिवसह्यह्य के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम व भाषण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांस्कृति कार्यक्रम में (गीत-सदगुरू तेग बहादुर प्यारे की) नामक गीत पर आराध्या, आस्था, आशिता, नित्या, सिमर, शुभि, दिव्यांशी, नाव्या एवं श्रृष्टि आदि ने एक सुन्दर सा समूह नृत्य प्रस्तुत किया। भाषण के अन्तर्गत प्राइमरी ग्रुप से श्रेयांश, तनमय, अभिषेक, आराध्या, अनय, मानिक, प्रांजल एवं विनायक ने अपना-अपना विचार प्रस्तुत किया। सीनियर ग्रुप से यशी पाण्डेय, अंशिका, फरहत, माशू आदि छात्राओं ने अपना-अपना विचार गुरू तेग बहादुर जी के बारे में प्रस्तुत किया।

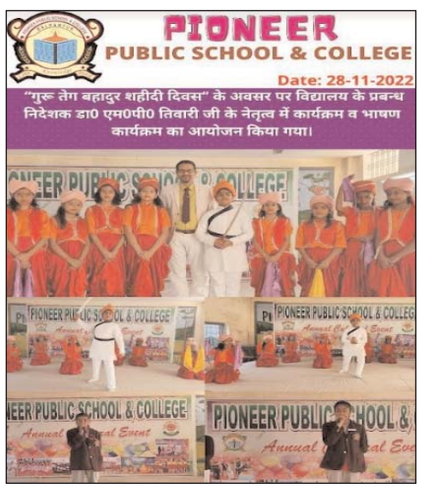

अन्त में ह्यह्यगुरू तेग बहादुर शहीदी दिवसह्यह्य के अवसर पर विद्यालय के प्रबन्ध निदेशक डा0 एम0पी0 तिवारी ने बच्चों की प्रस्तुति को देखकर समस्त प्रतिभागिओं का उत्साहवर्धन किया इस अवसर पर विद्यालय, उप प्रधानाचार्य शिखा पाण्डेय, आशुतोष मिश्रा, अध्यापकगण राघवेन्द्र त्रिपाठी (एक्टीविटी इंचार्ज), उर्वशी शुक्ला, सहित समस्त अध्यापक/अध्यापिकाओं नें छात्राओं के मनमोहक कार्यक्रम को देखकर सराहना की तथा बच्चों को प्रोत्साहित किया।

निशुल्क स्वास्थ्य एवं मोतियाबिंद एवं नेत्र शिविर 30 नवंबर को

अमर ख्याल

चौरीचौरा। विधानसभा चौरीचौरा अंतर्गत ग्राम सभा में स्थित आर बी यादव पब्लिक स्कूल पर दिनांक 30 नवंबर दिन बुधवार को स्वास्थ्य एवं मोतियाबिंद एवं नेत्र शिविर का आयोजन दिनेश गौड़ के सौजन्य से किया जाएगा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख ब्रहम्पुर सुमन यादव रहेंगी स्वास्थ्य शिविर में कुशल डॉक्टर जमीर अंसारी, डाक्टर बी तिवारी व डाक्टर अंजुम जैन के द्वारा लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा तथा दवाएं भी वितरित की जाएगी उक्त कार्यक्रम की जानकारी दिनेश गोड़ पत्रकार ने दिया

गैसड़ी के पुरैना में आयोजित राम विवाह महोत्सव का उद्घाटन किया जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि

अमर ख्याल , अनीक अहमद

गैसड़ी (बलरामपुर) राम विवाह महोत्सव गैसड़ी क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया गैसड़ी के पुरैना में आयोजित राम विवाह महोत्सव का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्याम मनोहर तिवारी ने किया वही गैसड़ी नगर पंचायत के सुगांव में सासंद राम सिरोमणि वर्मा ने फीता काटकर उद्घाटन किया।

गैसड़ी नगर के वार्ड संख्या एक के सुगाँव में आयोजित श्री राम विवाह महोत्सव का फीता काटकर श्रावस्ती के सांसद चौधरी राम शिरोमणि वर्मा ने शुभारंभ किया। श्रीराम विवाह महोत्सव कमेटी सुगांव मझौली के अध्यक्ष एवं इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के यूपी उपाध्यक्ष एम पी यादव एडवोकेट एवं कमेटी के सभी पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि सांसद चौधरी राम शिरोमणि वर्मा का महोत्सव मंच पर माल्यार्पण कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। वही परैना ग्राम पंचायत में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्याम मनोहर तिवारी का किशोरी यादव पूर्व प्रधान पुरैना ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया इस अवसर पर श्याम मनोहर तिवारी ने महोत्सव का फीता काट कर शुभारंभ करते हुए उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राम हमारे आदर्श है,हमारे कण कण मे राम बसे हुए हैं।

सांसद श्रावस्ती चौधरी राम शिरोमणि वर्मा ने कहा कि राम विवाह मंचन काफी प्रेरणादायक एवं जन मानस के लिए काफी प्रासंगिक है उन्होने कहा कि मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम माता जानकी का विवाह काफी प्रेरणादायक है।

सांसद चौधरी राम शिरोमणि वर्मा का क्षेत्रीय जनता ने आभार व्यक्त करते हुए काफी सराहना किया। इस अवसर पर इस अवसर ,मदन लाल जायसवाल चेयरमैन प्रतियांशी गैसड़ी, सी बी मणि त्रिपाठी यूपी इंडिया लाइव टीवी नयूज उत्तर प्रदेश के प्रधान संपादक, संजय दूबे,राम उजागर यादव,एम पी यादव,शिव प्रसाद वर्मा,सुरेश कुमार पाल, मिथलेश वर्मा,पंकज पांडेय, प्रहलाद वर्मा, सत्रोंहन प्रसाद यादव, रमेश कुमार वर्मा, गुरु प्रसाद वर्मा,मंगल प्रसाद वर्मा, विश्वनाथ पासवान, खेमराज पासवान, सुरेश कुमार पाल,संतोष कुमार, आत्मा राम यादव, प्रेम यादव, समेत दर्जनों दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विपिन कुमार राव सा०धमार्पुर (पचमरी), पोस्ट-जँहगिरवा, थाना-करनैलगंज,जिला-गोंडा का मूल निवासी है प्रार्थी का हाई स्कूल का सर्टिफिकेट जिसका अनुक्रमांक 2322794 वर्ष 2015 है जो दिनांक 08.11.2022 को रास्ते में कहीं वास्तव में गिर गया, बहुत खोजा लेकिन नही मिला जिसकी सूचना स्थानीय कोतवाली कर्नलगंज में प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया

25 दिसंबर को मथुरा में बौद्ध महोत्सव तैयारियां जोरों पर

अमर ख्याल , राजेश कुमार

मथुरा। देशभर में प्रति वर्ष की भांति मनाए जाने वाला बौद्ध महोत्सव की तैयारियां जोरों पर शुरू हो गई है अबकी बार जनपद मथुरा के चंदनवन पंचशील पार्क में भव्य बौद्ध महोत्सव मनाया जाएगा 25 दिसंबर को मनाया जाने वाला बौद्ध महोत्सव अब शहर से चलकर गांव की ओर बढ़ने लगा है बता दें भीम ज्ञान चर्चा एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल राक्षस के नेतृत्व में? मथुरा के ईशापुर पानी की टंकी व किनाराई गांव में नुक्कड़ सभा लगाकर बौद्ध महोत्सव के बारे में जागरूक किया गया गया। मनुस्मृति दहन वाले दिन मथुरा चंदनवन के पंचशील पार्क में मनाया जाने वाला 25 दिसंबर को बौद्ध महोत्सव मनाया जाएगा। बात उन दिनों की है जब बाबा साहब डॉ. आंबेडकर ने 25 दिसंबर 1927 को मनुस्मृति का दहन किया था बाबा साहब आंबेडकर मनुस्मृति को ब्राह्मणवाद की मूल संहिता मानते थे। यह किताब द्विजों को जन्मजात श्रेष्ठ और पिछडों, दलित एवं महिलाओं को जन्म के आधार पर निकृष्ट घोषित करती है। पिछड़े-दलितों एवं महिलाओं का एक मात्र कर्तव्य द्विजों और मर्दों का सेवा करना बताती है। 25 दिसंबर 1927 को डॉ अंबेडकर ने पहली बार मनुस्मृति में दहन का कार्यक्रम किया था। उनका कहना था कि भारतीय समाज में जो कानून चल रहा है। वह मनुस्मृति के आधार पर है। यह एक ब्राम?हण, पुरूष सत?तात?मक, भेदभाव वाला कानून है। इसे खत्म किया जाना चाहिए इसीलिए वे मनुस्मृति का दहन कर रहे हैं। मनु के इन कानूनों से अनुमान लगाया जा सकता है कि शूद्रों, अतिशूद्रों और महिलाओं पर किस प्रकार और कितने अमानवीय अत्याचार हुए थे। बाबा साहब अंबेडकर ने गुलामी की बेड़ियों को तोड़ कर आजादी की जिंदगी दी इसलिए 25 दिसंबर को बौद्ध महोत्सव खुशियों व हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। मथुरा में बौद्ध महोत्सव की के बारे में भीम ज्ञान चर्चा एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल राक्षस और डॉ विनय कुमार से अमर ख्याल संवाददाता राजेश कुमार (आरपी सिंह राठौर) बातचीत में बताया अबकी बार मथुरा में बौद्ध महोत्सव भव्य तरीके से मनाया जाएगा जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चों के रंगारंग कार्यक्रम तथा बहुजन महापुरुषों के बारे में बताया जाएगा जिसमें खाने-पीने की भी पूर्ण व्यवस्था रहेगी। इस मौके पर एडवोकेट सूरज पाल नोएडा, एडवोकेट प्रशांत बौद्ध नोएडा, नानक राम, एडवोकेट प्रवीण भास्कर, एडवोकेट के पी सिंह, महेश भाटिया, राजेंद्र सिंह, उमेश पाल सिंह, डॉ विनय कुमार व समता टुडे न्यूज चैनल के संपादक राजेश कुमार (आरपी सिंह राठौर) उपस्थिति थे।

रोजी रोटी कमाने के लिए घर से गए युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

अमर ख्याल , सोनी कुमारी

महाराजगंज (रायबरेली) कोतवाली क्षेत्र के लाला का पुरवा मजरे पहरेमऊ गांव के व्यक्ति की दिल्ली में संदिग्ध परिस्थितियों हई मौत । शिव कुमार यादव कापासेड़ा बॉर्डर दिल्ली मे रहकर मेहनत मजदूरी करके किसी तरह अपने परिवार का पालन पोषण कर रहा था दीपावली की छुट्टी में घर आए शिव कुमार यादव अभी 20 दिन पूर्व ही अपने निवास स्थान लाला का पुरवा से कापासेड़ा बॉर्डर दिल्ली रोजी रोटी कमाने के लिए गए हुए थे । शुक्रवार की शाम को घर वालों को सूचना मिली कि शिवकुमार पुत्र रामसेवक उम्र 38 वर्ष कि किन्ही कारणों से मौत हो गई शिवकुमार ने कापासेड़ा बॉर्डर पर ही किराए पर कमरा ले रखा था पिछले 3 दिनों से कमरा ना खुलने की वजह से आस पड़ोस वालों को इसकी जानकारी हुई उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी मौके पर कापासेड़ा बॉर्डर की पहुंची पुलिस ने जब दरवाजा खोलकर देखा तो अंदर शिवकुमार फंदे से लटके हुए मृत पाए गए दिल्ली पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम करवा दिया और परिजनों को सूचित कर दिया परिजनों द्वारा किसी पर किसी प्रकार का आरोप न लगाने की वजह से शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया वही जैसे ही मृतक शिव कुमार यादव का शव उनके निवास स्थान ग्राम लाला का पुरवा मजरे पहरेमऊ में पहुंचा परिजनों सहित ग्रामीणों का रो-रोकर बुरा हाल है शिव कुमार यादव काफी मिलनसार स्वभाव के थे और व्यावहारिक थे जब किसी से भी मिलते थे तो हमेशा मुस्कुरा कर ही उसका स्वागत किया करते थे शिव कुमार यादव ने अपने पीछे 3 बच्चे लड़की 15 वर्ष वही लड़का 13 वर्ष और सबसे छोटा वाला 10 वर्ष का है शिव कुमार के परिवार के ऊपर गाज गिरने से जहां परिजन अपने आप को संभाल नहीं पा रहे हैं वही सबसे बड़ी समस्या बच्चों का लालन-पालन कैसे होगा उनकी शिक्षा-दीक्षा और शादी विवाह किस तरह होगी यह बात परिजनों को खाए जा रही है परिजनों और ग्रामीणों द्वारा गांव में हूं शिव कुमार यादव का विधान से अंतिम संस्कार किया गया

गैंगेस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

विपिन तिवारी

सीतापुर । पुलिस अधीक्षक घुले सुशील चंद्रभान द्वारा जनपद में अपराध को अपनी आय का स्रोत बना लेने वाले अपराधियों के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

उक्त निदेशों के अनुपालन के क्रम में दिनांक 28.11.22 को अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी डॉ0 राजीव दीक्षित के निकट पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी बिसवां श्री अभिषेक प्रताप अजेय के नेतृत्व में थाना बिसवां पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 554/22 धारा 2/3 यू0पी0 गैंगेस्टर एक्ट थाना बिसवां सीतापुर में वांछित अभियुक्त प्रदीप कुमार पुत्र राजकुमार निवासी ग्राम गूरेपारा थाना तालगांव सीतापुर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध पूर्व में अवैध शराब कारोबार व मारपीट जैसे अपराध में अभियोग पंजीकृत है। अभियुक्त द्वारा अपराध से अर्जित संपत्ति का पता लगाकर जब्तीकरण की कार्यवाही की जायेगी। अभियुक्त प्रदीप उपरोक्त का चालान माननीय न्यायालय किया गया है। जनपद में अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही निरन्तर इसी प्रकार प्रचलित रहेगी।

अभियुक्त का नाम व पता:-

प्रदीप कुमार पुत्र राजकुमार निवासी ग्राम गूरेपारा थाना तालगांव सीतापुर

अभियोग (जिसमें अभियुक्त वांछित था)

मु0अ0स0 554/2022 धारा 2/3 यू0पी0 गैंगेस्टर एक्ट थाना बिसवां सीतापुर।

आपराधिक इतिहास अभियुक्त प्रदीप उपरोक्त: झ

1. मु0अ0स0 56/18 धारा 147/323/504 भादवि थाना तालगांव सीतापुर।

2. मु0अ0सं0 464/22 धारा 60 (2) आबकारी अधिनियम थाना बिसवां सीतापुर।

3. मु0अ0सं0 554/22 धारा 2/3 यूपी गैंगेस्टर एक्ट थाना बिसवां सीतापुर।

पुलिस टीम थाना बिसवां-

1. अपराध निरीक्षक विजय कुमार मिश्रा

2. मुख्य आरक्षी रामप्रताप

3. मुख्य आरक्षी दीपक वर्मा

4. मुख्य आरक्षी रामतीरथ

स्मैक नशे के खिलाफ युवा मोर्चा ने उठाई आवाज

भारतीय जनता युवा मोर्चा
सिधौली (सीतापुर)

मण्डल अध्यक्ष
आलोक त्रिपाठी
मो0: 8354859960

जिलाध्यक्ष
सचिन मिश्रा

सेवा में,
कोतवाली प्रभारी,
सिधौली।

आपको अवगत कराना है कि सिधौली नगर मे इस समय अवैध काला नशा स्मैक का चलन काफी जोरों पर है जिससे नवयुवक नशे की चपेट मे आकर अपने घरों को तबाह कर रहे हैं अतः महोदय आपसे अनुरोध है कि एक सशक्त टीम बनाकर इसमे नशे के खिलाफ अभियान चलाया जाए तथा पकड़े गए दोषियों पर जेल भेजने सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

दिनांक 29/11/22

हस्ताक्षर
मण्डल अध्यक्ष
आलोक त्रिपाठी

मो. वैस

सीतापुर । उत्तर प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए शासन में प्रशासन भरपूर प्रयास कर रहा है वहीं भाजपा के संगठन युवा मोर्चा के कार्यकताओं का कहना है कि अभी तक उत्तर प्रदेश पूर्णतया नशा मुक्त नहीं हुआ है जिसको लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष आलोक त्रिपाठी ने जनपद सीतापुर के क्षेत्र सिधौली कोतवाली में लिखित शिकायती पत्र देकर कस्बे में फैल रहे स्मैक जैसे खतरनाक एवं सुख शांति को जड़ से खत्म करने वाली नशे के खिलाफ आवाज उठाई है उन्होंने बताया है कि नशा आज के नव युवकों को अपने चपेट में ले रहा है एवं घरों को तबाह कर रहा है जिसको लेकर उन्होंने कोतवाली प्रभारी आर के सिंह को लिखित शिकायत पत्र दिया है इस मौके पर युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष आलोक त्रिपाठी,प्रशांत त्रिपाठी,मोहित श्रीवास्तव,सोनू तिवारी,आशु तिवारी,हिमांशु रावत,सरवन,छोटू गौतम,बृजेश कुमार के साथ संगठन के कई कार्यकर्तागण व कोतवाली प्रभारी आर के सिंह,क्राइम निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पंकज मौजूद रहे

यातायात माह 2022ह्व के दृष्टिगत स्कूली छात्र/छात्राओं के साथ निकाली गयी यातायात जागरूकता रैली तथा सिखाया गया यातायात अनुशासन का पाठ एवं यातायात नियमों व सावधानियों के सम्बन्ध में दी गयी जानकारी

विपिन तिवारी

सीतापुर । जनपद मे ह्वयातायात माह नवम्बर 2022ह्व के दृष्टिगत प्रभारी निरीक्षक इमलिया सुल्तानपुर द्वारा मय टीम के उदयपुर पब्लिक इंटर कॉलेज, उदयपुर कोरैया, इमलिया सुल्तानपुर के छात्र/छात्राओं को यातायात नियमों/सावधानियों जैसे- सड़क पर हो रही दुर्घटनाओं के रोकथाम, लोगों को यातायात के नियमों के बारें में जागरुकता, दो पहिया वाहन चलाते समय तीन सवारी न बैठने, बिना नम्बर प्लेट लगी वाहन न चलाने, वाहन को ओवर स्पीड से न चलाने आदि के प्रति जागरुकता से संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रभारी निरीक्षक इमलिया सुल्तानपुर द्वारा छात्र/छात्राओं से यह अपील भी की गयी वह अपने परिवार व रिश्तेदारों तथा आसपास के लोगों को वाहन चलाते समय हेल्मेट व सीट बेल्ट के प्रयोग तथा यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित करे। तत्पश्चात छात्र/छात्राओं के साथ यातायात जागरूकात रैली भी निकाली गयी। इसी क्रम में थानाध्यक्ष सदरपुर द्वारा मय टीम के कुंज बिहारी सरस्वती बाल विद्या मंदिर दानपुरवा जहांगीराबाद के छात्र/छात्राओं हेतु यातायात जागरूकता सम्बन्धी कार्यशाला का आयोजन किया गया

चोरी की घटना के मामले में कोतवाली कर्नलगंज पुलिस पर कार्यवाही न करने का गंभीर आरोप

कर्नलगंज में जानवरों के चोरों का गिरोह सक्रिय, पुलिस बेखबर

अमर ख्याल संवाददाता

कर्नलगंज(गोण्डा) कोतवाली क्षेत्र में जानवरों की चोरी करने वाले गिरोह इस समय तेजी से सक्रिय होने के साथ ही बेखौफ होकर ग्रामीणों के दरवाजे पर बांधे जानवरों की चोरी करके पुलिस को खुली चुनौती दे रहे हैं, वहीं पुलिस बेखबर है। क्षेत्र में जानवर चोरी के ऐसे मामलों में एक भैंस चोरी का मामला सीसीटीवी में कैद होने और तहरीर देने के बाद करीब एक सप्ताह बीतने को है लेकिन कोतवाली पुलिस ने अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की है।वहीं चोरी की घटना के मामले में कोतवाली कर्नलगंज पुलिस पर कार्रवाई न करने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़ित ने संपूर्ण घटनाक्रम से पुलिस अधीक्षक गोण्डा को अवगत कराते हुए त्वरित कार्यवाही करने की लगाई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार संपूर्ण प्रकरण कोतवाली कर्नलगंज क्षेत्र से जुड़ा है। यहाँ के ग्राम कर्नलगंज ग्रामीण के मजरा नचनी निवासी संतोष कुमार पुत्र सहजराम ने मुख्यमंत्री के जनसुनवाई पोर्टल के माध्यम से पुलिस अधीक्षक को आनलाइन प्रार्थना पत्र भेजा है।जिसमें कहा गया है कि बीते 22 नवंबर की शाम वह परिवार के साथ भोजन करके सो गये थे। प्रार्थी के दरवाजे पर उसकी भैंस बंधी थी। रात्रि के समय चोर उसकी भैंस खोलकर चोरी कर ले गए। पड़ोस में शुक्ला ट्रेडर्स की दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में उक्त चोरी की सारी गतिविधि कैद हो गई। उसने कोतवाली में तहरीर दिया,जिस पर पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे को चेक किया लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। आरोप है कि इससे पूर्व 30 अक्टूबर 2017 को उसके दरवाजे पर खड़ी ठेलिया को भी चोर चोरी कर ले गए थे। यही नहीं 19 जून 2010 को उसकी एक भैंस और चोर चोरी कर ले गए थे। उसने उक्त घटनाओं के सम्बन्ध में हर बार कोतवाली में तहरीर दिया मगर कोई कार्यवाही नहीं हुई। इस तरह उसके यहां तीन चोरियां हुई लेकिन पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की है। जिससे चोरों के हौसले बुलंद हैं और वह चोरी की घटना को अंजाम देते रहते हैं। पीड़ित ने संपूर्ण घटनाक्रम से पुलिस अधीक्षक गोण्डा को अवगत कराते हुए त्वरित कार्यवाही करने की गुहार लगाई है।

गुजरात चुनाव मे बीजेपी का परचम लहराने पहुंची यूपी की महिला मोर्चा

विकास, सड़क, सुरक्षा और मकान, भाजपा की यही पहचान: आकांक्षा सोनकर

अमर ख्याल , मनोज त्रिपाठी

प्रयागराज। गुजरात मे होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा का परचम लहराने के लिए उत्तर प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की वरिष्ठ पदाधिकारियों ने वहां डेरा डाल दिया है।बीते कुछ दिनों से केसरिया परचम लहराने एवं उत्तर भारतीयों को साधने के लिए महिला पदाधिकारियों द्वारा लगातार विधानसभा चुनाव के प्रत्याशियों के साथ जन संपर्क कर भाजपा के उपलब्धियों के बारे में बता रही हैं। इसी क्रम में प्रयागराज से पूर्व जिलाध्यक्ष आकांक्षा सोनकर (प्रदेश मंत्री- महिला मोर्चा) को वहां पर सह प्रभारी के तौर पर जिला जामनगर गुजरात भेजा गया है।प्रदेश मंत्री महिला मोर्चा आकांक्षा सोनकर गुजरात के जिला जामनगर ग्रामीण के 3 विधानसभा देख रही हैं एवं पिछले 12 दिनों से चुनाव प्रचार में जुटी हुई है। उत्तर प्रदेश से 20 महिला मोर्चा पदाधिकारी को गुजरात चुनाव में प्रचार प्रसार के लिए भेजा गया है। पहले चरण का मतदान 01 दिसंबर को है।

डीएपी खाद के लिए मची मारामारी,किसानों की जुटी भीड़

अमर ख्याल संवाददाता

कर्नलगंज (गोण्डा) इस समय जहाँ खेतों में बुआई चल रही है वहीं किसानों को डीएपी खाद की किल्लत से जूझना पड़ रहा है। गेहूं व सरसों की बुआई समय पर ना हो पाने से किसानों में काफी आक्रोश व्याप्त देखा जा रहा है।किसान डीएपी को लेकर इधर-उधर दुकानों पर चक्कर काटने को मजबूर हो रहे हैं। लंबे इंतजार के बाद डीएपी उपलब्ध होने पर सभी किसान सुबह से ही अपने समिति पर लंबी कतार लगाकर डीएपी को पाने का इंतजार करते दिखाई पड़े। तहसील कर्नलगंज के चचरी चौकी क्षेत्र अन्तर्गत साधन सहकारी समिति बिबियापुर गोसाईं पर सुबह से ही लोगों की भारी भीड़ एकत्र हो गई,जहाँ किसान डीएपी पाने की आस में लंबी कतारें लगाकर खड़े रहे। इस दौरान लोगों में खूब धक्का-मुक्की भी होती रही। वहीं कुछ किसानों का कहना है कि वह सुबह से ही लाइन लगाकर डीएपी के लिए खड़े रहे। भारी भीड़ को देखते हुए स्थानीय पुलिस चौकी चचरी के उपनिरीक्षक सुनील कुमार तिवारी ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को समझा-बुझाकर डीएपी खाद वितरित करवाई।

कर्नलगंज बस स्टॉप पर बसों में बैठने के लिए होती है मारामारी

महिलाओं एवं बच्चों के साथ यात्री दिखे परेशान

अमर ख्याल संवाददाता

कर्नलगंज(गोंडा) उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा यात्रियों के आवागमन हेतु भले ही पर्याप्त मात्रा में बसों की व्यवस्था की गई हो, लेकिन जनसंख्या का आलम यह है कि बसों में बैठने के लिए अक्सर मारामारी होती देखी जाती है। कुछ इसी तरह का नजारा सोमवार को कर्नलगंज बस स्टॉप पर देखने को मिला जब यात्री अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए बसों में बैठने के लिए मारामारी करते दिखे। यह वाक्या अक्सर तब देखा जाता है जब रोड पर लगी प्राइवेट बसें सहालग में बुकिंग में चली जाती हैं और केवल सरकारी बसों के द्वारा लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचना होता है। सोमवार को दोपहर बाद कर्नलगंज बस स्टॉप पर सैकड़ों यात्री बस में बैठने के लिए हलकान दिखे,जबकि रोडवेज के बसें आती जाती रहीं लेकिन यात्रियों से खचाखच भरी होने के नाते उसमें बैठना मुश्किल हो रहा था। ऐसी स्थिति में लोगों को यात्रा करने में काफी परेशानी उठानी पड़ी।

व्यपहरण के आरोप में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अमर ख्याल

गोरखपुर । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव ग्रोवर के कुशल निर्देशन तथा पुलिस अक्षीक्षक दक्षिणी श्री अरुण कुमार सिंह व क्षेत्राधिकारी बांसगांव प्रशाली गंगवार पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक संदीप यादव के नेतृत्व मे उ0नि0 राजेश कुमार यादव मय हमराह द्वारा थाना बांसगांव जनपद गोरखपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 431/2022 अंतर्गत धारा 363 भादवि थाना बांसगांव जनपद गोरखपुर में वांछित चल रहे अभियुक्त को मुखबिर की सूचना पर खजनी बांसगांव रोड कालेज तिराहा पर गिरफ्तार कर न्यायायिक अभिरक्षा मे मा0न्यायालय भेजा जा रहा है

गांव में लगे खड़ंजे को जबरन उखाड़ रहे प्रधान,ग्रामीणों ने जताया विरोध

अमर ख्याल संवाददाता

गोण्डा। स्थानीय तहसील के अन्तर्गत विकास खंड कर्नलगंज के ग्राम पंचायत नकहरा में रास्ते पर लगे खड़ंजे को ग्राम प्रधान द्वारा जबरन उखाड़े जाने का मामला सामने आया है। वहीं विरोध करने के बावजूद प्रधान के मनमानी पर उतारू होने का ग्रामीणों ने आरोप लगाते पर खड़ंजे को उखाड़े जाने से रोकने की गुहार लगाई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मामला तहसील व विकास खंड कर्नलगंज के अन्तर्गत ग्राम पंचायत नकहरा के मजरा संभर पुरवा से जुड़ा है,यहाँ काली रोड से अयोध्या यादव के घर तक खड़ंजा लगा है। जिसको ग्राम प्रधान द्वारा जबरन उखाड़ा जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक उक्त खड़ंजे की लंबाई करीब 500 मीटर है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में रास्ते पर काफी समय पहले से खड़ंजा लगा था। जिस पर गांव के लोगों का आवागमन हो रहा था। जिसे ग्राम प्रधान द्वारा जबरन उखाड़ा जा रहा है, वहीं ग्रामीणों के विरोध करने के बावजूद प्रधान मनमानी पर उतारू हैं। जिससे त्रस्त ग्रामीणों ने प्रधान पर आरोप लगाते हुए खड़ंजे को उखाड़े जाने से रोकने की गुहार लगाई है।

पयामे इन्सानियत फोरम के बैनर तले मनाया गया मानवता पर्व

हमारा समाज हमारी जिम्मेदारी विषयक हुई शानदार संगोष्ठी

विपिन तिवारी

सिधौली/सीतापुर। आज हिंसा और टकराव का दानव हमारे सामने मुंह खोले हैं। साम्प्रदायिकता फन उठाये खड़ी हुई है, जिसने हमारे सामने बहुत बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। इस खतरे को रोकने व देश की मुश्तरका संस्कृति को बचाये रखने के लिए संतो, मौलानाओं, लेखकों, दार्शनिकों को एकजुट होकर प्रेम का दीप प्रज्ज्वलित किये जाने की आवश्यकता है।

यह बात ऑल इंडिया पयामे इंसानियत फोरम की तरफ से रविवार को ग्राम गड़िया हसनपुर में आयोजित ह्रहमारा समाज हमारी जिम्मेदारीह्व विषयक गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ0 उमंग खन्ना ने कही।

मुख्य अतिथि ने कहा कि पयामे इंसानियत फोरम अपने उल्लेखनीय कार्यों के चलते मेरे दिल में बसता है। समाज के लिए जो जिम्मेदारी है उसे आप सब निर्वाह कर रहे हैं। यह संगठन धर्म तथा संप्रदाय में भेदभाव किये बिना समाज के उत्पीड़ित, पिछड़े निर्धन एवं व्याकुल जनों से सम्पर्क स्थापित कर यथासंभव उन्हें सहायता देता है।

गोष्ठी का आधार वक्तव्य देते हुए मुफ्ती जुबैर नदवी ने गोष्ठी के विषय पर प्रकाश डाला। मुख्य संयोजक मो0 फारूक व प्रधान प्रतिनिधि खुर्शेद, फहीम, आदि ने विशिष्ट मेहमानों को शाल ओढ़ाकर, प्रतीक चिन्ह दिया।

विशिष्ट अतिथि आचार्य शशि प्रकाश शास्त्री ने कहा कि मनुष्य को मस्तिष्क मिला है। वर्ना हममें और पशुओं में कोई अंतर नही हैं। हमें अपने आचरण से मनुष्यता को बचाने वाले कार्य करने चाहिए। अपने बच्चों को अच्छी

नामचीन विद्वानों ने की मानवता की वकालत

संस्कारवान शिक्षा देनी चाहिए। बच्चे हमारे व्यवहार की कार्बन कापी होते हैं। हमें समाज में कोई ऐसा कार्य नहीं करना चाहिए, जो गरिमा के विपरीत हो, धर्म के विपरीत हो। हर इंसान के भीतर इंसान दिखना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि मौलाना कौसर नदवी ने कहा कि देश में घट रही घटनाओं व सोशल मीडिया ने हमारे समाज के ताने-बाने को चकनाचूर कर दिया है। राजनीति ने इस विष वेलि को और बढ़ाया है। कलम कैंची बन गया है। जबकि हमें सुई बनकर रहना चाहिए। सुई दो को एक कर देती है और कैंची एक को दो कर देती है। आज नफरत का माहौल बढ़ रहा है।

नफरत एवं हिंसा के खिलाफ मानवीय एकता संगठन के स्थानीय संयोजक अनुराग आग्नेय ने अपने वक्तव्य में कहा कि देश में साम्प्रदायिक एकता के जरिये ही समाज को बचाया जा सकता है। जब तक हिन्दू मुस्लिम के बीच साम्प्रदायिकता व दंगे के बीज विद्यमान रहेंगे, तब तक दोनों समुदायों में एकजुटता नहीं पैदा होने वाली है।

मानवीय एकता की बुनियाद सिर्फ प्रेम, मुहब्बत, भाईचारे से डाले जा सकती है। चन्द्रशेखर प्रजापति ने कहा कि अपने स्वार्थों की सिद्धि के लिए किसी का खून बहाना नहीं चाहिए बल्कि आदमियत को बचाने के लिए रक्त दान करना चाहिए। यही मानवता के लिए सच्ची सेवा है।

गोष्ठी को मौ0 खलीक अहमद नदवी, मौ0 मो0 उमर नदवी, सै0 मोईद अहमद, देवेन्द्र कश्यप निडर, सूर्यांश शुक्ल आदि ने भी संबोधित किया। इस मौके पर हाजी शफीक, अली बाबा, शमीमुर्रहमान आदि लोग उपस्थित रहे।

पेराई सत्र शुरू ना होने के चलते धरने पर बैठे किसानों से दूसरे दिन मिलने पहुंचे डीसीओ

अमर ख्याल

पीलीभीत। पूरनपुर चीनी मिल का पेराई सत्र शुरू न होने के विरोध में भाकियू (अराजनीतिक) का बेमियादी धरना-प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। जिला गन्ना अधिकारी जितेंद्र मिश्र ने प्रदर्शनकारी किसानों से वार्ता की। मगर किसानों ने चीनी मिल के नियमित चलने तक धरना-प्रदर्शन जारी रखने की चेतावनी दी। शनिवार से चीनी मिल गेट पर शुरू हुआ बेमियादी धरना-प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। रविवार को जिला गन्ना अधिकारी (डीसीओ) जितेंद्र मिश्र ने धरना स्थल पहुंचकर किसानों से वार्ता की। डीसीओ का कहना था कि चीनी मिल जीएम के सेवानिवृत्त होने, दूसरे जीएम की तैनाती देर से होने समेत कई अन्य कारणों के चलते मिल को समय पर नहीं चलाया जा सका। एक दिसंबर को चीनी मिल के पेराई सत्र का शुभारंभ कर पटला पूजन कराया जाएगा। प्रदर्शनकारी किसान नेताओं का कहना था कि जब तक पूरनपुर चीनी मिल नहीं चलती। तब तक क्षेत्र का गन्ना अन्य मिलों को पेरने की स्वीकृत दी जाए। ताकि औने-पौने दामों में किसान की गन्ने की बिक्री न करें। मगर प्रदर्शनकारी किसानों और डीसीओ में वार्ता सफल नहीं हो सकी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पेराई सत्र का शुभारंभ कर पटला पूजन की औपचारिकता बर्दास्त नहीं की जाएगी। पटली पूजन के साथ चीनी मिल नियमित पेराई शुरू करे। नियमित पेराई शुरू न होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

अशफार्बाद गांव मे शुरू हुई भागवत कथा निकाली गई भव्य कलश यात्रा

अमर ख्याल सोनी कुमारी

महराजगंज (रायबरेली) क्षेत्र के अशफार्बाद गांव में 28 नवंबर से 4 दिसंबर तक भव्य श्रीमद् भागवत कथा का किया गया आयोजन ।इस आयोजन की शुरूआत आज भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हुई जिसमें करीब 61 महिलाओं ने अपने सर पर कलश और नारियल रखकर विभिन्न मंदिर पहुंची कलश यात्रा की शुरूआत प्रसिद्ध मठ अशफार्बाद पहरेमऊ से हुई जिसमें यजमान प्रेमा सिंह एवं उनके पति देव नारायण सिंह ने भी कलश और नारियल सर पर रखकर नंगे पैर मंदिर पहुंचे । आयोजक डॉक्टर एमपी सिंह ने बताया आज कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया है कथा 28 नवम्बर से शुरू होकर 4 दिसंबर तक दोपहर 2:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक निरंतर चलेगी एवं सोमवार 5 दिसंबर 2022 पूणार्हुति एवं भागवत प्रसाद (ब्रह्मभोज) का भी आयोजन किया गया है एमपी सिंह ने बताया कथा वाचक पंडित नरेश चंद्र शास्त्री (उन्नाव) के द्वारा कथा कही जाएगी जिसमें सभी भक्तगण पहुंचकर कथा को सुने और अपने आपको पुण्य का भागीदार बनाएं इस मौके पर क्षेत्र के तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

महात्मा ज्योतिबा राव फुले जी को दी गई भावभिनी श्रद्धांजलि

अमर ख्याल सोनी कुमारी

महराजगंज रायबरेली। अंबेडकर महाविद्यालय में आज दिनांक 28 नवंबर 2022 को अंबेडकर ग्रुप ऑफ स्कूल के कार्यकारी प्रबंधक सुनील की माता सुमित्रा देवी एवं महात्मा ज्योतिबा राव फुले जी का परिनिर्वाण दिवस पर भावभिनी श्रद्धांजलि दी गई इस अवसर पर कार्यकारी प्रबंधक सुनील ने एक बेटे और बेटी के सर्वांगीण विकास में एक माँ का क्या योगदान होता है के विषय में अवगत कराया ।

परिनिर्वाण दिवस के इस अवसर पर अंबेडकर महाविद्यालय के इंचार्ज प्राचार्य रामकुमार गौड, सहायक वरिष्ठ आचार्य हरि गोविंद पटेल, सहदेव प्रसाद, पूजा यादव, सर्वेश कुमार, अमरेश कुमार एवं समस्त छात्राओं की उपस्थिति रही एवं अपने विचार व्यक्त किया।

अज्ञात कारणों के चलते आम के पेड़ से लटकता मिला शव

संवाददाता मुकेश कुमार सीतापुर । रेउसा थाना क्षेत्र के अंर्तगत सेउता क्षेत्र के पिपरा गांव के गोविंद प्रसाद शुक्ला के आम की बाग के आम के की डाल पर लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मृतक निवासी चकरिया थाना सकरन का रहने वाला है मृतक का नाम श्रवण पुत्र बाबूराम उम्र 26 वर्ष है ससुरालियों ने बताया कल शाम को आया था पत्नी को विदा कराने हेतु आया था पत्नी से कुछ कहा सुनी के परिणाम स्वरूप श्रवण ने फांसी लगा लिया। मृतक श्रवण,सोनेलाल भार्गव का बहनोई निवासी समसिन पुरवा मजरा सेउता अपनी पत्नी को लेने आया था । मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक हरेंद्र बहादुर सिंह मय हमराही कांस्टेबल शुभम तिवारी, समरजीत सहित मौके पर पहुंचे लाश को उतरवाया पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया है।

आयार्ना डायग्नोस्टिक एण्ड स्कैनिंग सेन्टर का गोरखपुर में हुआ भव्य शुभारम्भ

अमर ख्याल

गोरखपुर । खोराबार सुबाबाजार में अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण डाइग्नोस्टिक सेन्टर का आज शुभारभ किया गया। विमलेश यादव के संचालन में डॉ० सज्जन लाल, डॉ एस. के मारवाड़,डॉ कृतिका, डा. के.सी. की उपस्थिति में माता जी ने फीता काट कर किया, जहाँ डिजिटल - रे,अल्ट्रासाउण्ड ,कालर डाफ्टर की सम्पूर्ण सुविधाएं उपलब्ध रहेगी इस कार्यक्रम जय नारायण यादव स्नेहलता गौतम ,चंद्रशेखर यादव अभिषेक राय जी, श्रीकान्त, प्रेम नारायण, केशव , डॉ अजित यादव, आदि उपस्थित रहे

खाद्यान्न वितरण में कोटेदार द्वारा जमकर की जा रही घटतौली

जिम्मेदार कर्मचारी की उदासीनता के चलते ही भ्रष्टाचारियों का रहा बोलबाला

अमर ख्याल संवाददाता

गोण्डा । जहाँ एक तरफ तेजतर्रार जिलाधिकारी उज्जवल कुमार ने खाद्यान्न वितरण करने के दौरान गड़बड़ी करने व घटतौली करने के मामले में सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अगर किसी भी कोटेदार द्वारा खाद्यान्न वितरण के दौरान गड़बड़ी करने व गरीबों के हक पर 1 किलो खाद्यान्न कटौती करने की शिकायत मिलने पर तत्काल प्रभाव से त्वरित कोटा को निलंबित कर कार्यवाही करके जिला अधिकारी एक मिसाल कायम कर रहे,वही दूसरी तरफ विकासखंड हलधरमऊ व कटरा बाजार क्षेत्रों में कोटेदार द्वारा खाद्यान्न वितरण के दौरान 1 किलो खाद्यान्न राशन कटौती करके जिलाधिकारी व शासन के आदेश को ताक पर रखकर जमकर धज्जियां उड़ाते हुए धांधली करके जिलाधिकारी व उत्तर प्रदेश सरकार के मंसूबों पर लगा रहे पलीता। जब इस मामले में उप जिलाधिकारी व सप्लाई इंस्पेक्टर और जिला पूर्ति अधिकारी से दूरभाष के जरिए संपर्क करने का प्रयास किया गया तो संपर्क स्थापित नहीं हो सका, उक्त प्रकरण में जब जिलाधिकारी से दूरभाष के जरिए संपर्क स्थापित किया गया तो उन्होंने बताया कि विकासखंड कटरा बाजार व हलधर मऊ क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत नकहा व ग्राम पंचायत रामगढ़ कोटेदार के द्वारा खाद्यान्न वितरण के दौरान 1 किलो कटौती करने को मामला संज्ञान में है इस मामले में कार्यवाही करने हेतु संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया गया जिसमें जांच की प्रक्रिया जारी जांच उपरांत कोटेदार के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। दोनों विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायतों के कोटेदारों द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार व जिलाधिकारी के आदेश को ना मानकर बल्कि आदेशों को ताक पर रखकर खाद्यान्न वितरण के दौरान 1 किलो राशन कटौती करके जिम्मेदार कर्मचारियों की जेब भरकर धड़ल्ले से फल-फूल रहे, ग्रामीणों द्वारा स्थानीय कर्मचारियों को शिकायत पर देने के बावजूद भी कोटेदार के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु जिम्मेदार कर्मचारी कारवाही ना कर बल्कि कोटेदार के प्रति उदासीनता दिखाने के क्रम में दिखे तेजतर्रार, कोटेदार द्वारा खाद्यान्न वितरण के दौरान धांधली करके 1 किलो राशन कटौती कर गरीबों के हक पर भ्रष्टाचार खेल खेलने का मामला क्षेत्रवासियों के बीच व्यापक स्तर से बड़े पैमाने पर चल रहा चर्चा का माहौल

गुजरात चुनाव मे बीजेपी का परचम लहराने पहुंची यूपी की महिला मोर्चा

विकास, सड़क, सुरक्षा और मकान, भाजपा की यही पहचान: आकांक्षा सोनकर

मनोज त्रिपाठी

प्रयागराज। गुजरात मे होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा का परचम लहराने के लिए उत्तर प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की वरिष्ठ पदाधिकारियों ने वहां डेरा डाल दिया है ।बीते कुछ दिनों से केसरिया परचम लहराने एवं उत्तर भारतीयों को साधने के लिए महिला पदाधिकारियों द्वारा लगातार विधानसभा चुनाव के प्रत्याशियों के साथ जन संपर्क एवं नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रयागराज से पूर्व जिलाध्यक्ष आकांक्षा सोनकर (प्रदेश मंत्री-महिला मोर्चा) को वहां पर सह प्रभारी के तौर पर जिला जामनगर गुजरात भेजा गया है ।प्रदेश मंत्री महिला मोर्चा आकांक्षा सोनकर गुजरात के जिला जामनगर ग्रामीण के 3 विधानसभा देख रही हैं एवं पिछले 12 दिनों से चुनाव प्रचार में जुटी हुई है। उत्तर प्रदेश से 20 महिला मोर्चा पदाधिकारी को गुजरात चुनाव में प्रचार प्रसार के लिए भेजा गया है। पहले चरण का मतदान 01 दिसंबर को है ।प्रदेश मंत्री महिला मोर्चा आकांक्षा सोनकर ने बताया कि जामनगर ग्रामीण में 2 विधानसभा में कांग्रेस तो एक में आप पार्टी फाइट में है, लेकिन जनता जागरूक है वह विकास, सुरक्षा और सम्मान के नाम पर भाजपा को वोट करेगी। उक्त जानकारी भाजपा जिला मंत्री कमलेश त्रिपाठी ने दी।

ब्राह्मण समाज कल्याण (मैथिल ब्राह्मण) समिति पीलीभीत का मनाया गया 17 वां वार्षिक महोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

अमर ख्याल

पीलीभीत । जिला पीलीभीत के नत्थादेवी इण्टर कालेज में जिला अध्यक्ष हरदेव सिंह शर्मा की अध्यक्षता में रूपपुर कृपा ,पीलीभीत के प्रांगण में आयोजित किया गया सम्मान समारोह ।इसका संचालन डा. दीनदयाल शर्मा ने किया ।सम्मेलन के मुख्य अतिथि पं फूलचंद्र शर्मा व विशिष्ट पं रामदेव शायरी पं रामगोपाल शर्मा प्रदेश अध्यक्ष? उत्तराखण्ड पं बालाराम शर्मा प्रदेश महामंत्री,पं नवल-किशोर शर्मा प्रदेश कोषाध्यक्ष? उत्तराखण्ड वडोरीलाल शर्मा रहे ।समारोह का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर मां सरस्वती को माल्यार्पण?

एवं पुष्प अर्पित कर,मां सरस्वती की वंदना कर किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का माल्यार्पण व बैंच लगाकर ,शाल ओढाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में मेधावी छात्र, छात्राओं को मेडल पहनाकर, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। नव निर्वाचित जिला पंचायत सदस्य श्री मदनलाल शर्मा को माल्यार्पण

कर,बैंच लगाकर तथा शाल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में दोनों पैरो से विकलांग महिला को दस हजार रूपरेखा की आर्थिक सहायता प्रदान की गयी। समारोह में अनेक वक्ताओं ने विचार व्यक्त किये ।सभी वक्ताओं ने समाज को शिक्षित एवं संगठित बनाने पर बल दिया। अनवरत में अध्यक्ष ने सभी का स्वागत ,वन्दन,अभिनन्दन कर समारोह का समापन किया

शॉर्ट न्यूज

अमेरिकी फुटबॉल महासंघ ने फिर ईरान के झंडे से प्रतीक चिह्न हटाया

दोहा। अमेरिकी फुटबॉल महासंघ (यूएसएसएफ) ने ईरान के खिलाफ मंगलवार को होने वाले विश्व कप मुकाबले से पहले सोशल मीडिया पर कुछ समय के लिए इस देश के राष्ट्रीय ध्वज को इस्लामिक गणराज्य के प्रतीक चिह्न के बिना दिखाया। ईरान की सरकार ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिका पर आरोप लगा है कि उसने उसके राष्ट्रीय ध्वज से अल्लाह का नाम हटा दिया। यूएसएसएफ के इस फैसले से पश्चिमी एशिया के पहले विश्व कप में एक और राजनीतिक तूफान आ गया है। यूएसएसएफ ने यह कदम उस समय उठाया है जब अमेरिका विश्व कप के महत्वपूर्ण मुकाबले में ईरान से भिड़ने की तैयारी कर रहा है। दोनों देशों के बीच दशकों की दुश्मनी है और अमेरिका तेहरान की धार्मिक नियमों के अनुसार चलने वाली सरकार के खिलाफ राष्ट्रव्यापी विरोध का भी समर्थन कर रहा है। यूएसएसएफ ने रविवार सुबह बयान में कहा कि उसने ईरान में मूलभूत मानवाधिकार के लिए लड़ रहीं महिलाओं के समर्थन में सोशल मीडिया पर आधिकारिक ध्वज नहीं लगाने का फैसला किया। अमेरिकी पुरुष टीम के ट्विटर एकाउंट पर ग्रुप चरण के मुकाबलों की टीम दर्शाई गई है जिसमें ईरान के ध्वज में सिर्फ हरा, सफेद और लाल रंग दिखाया गया है। ऐसा ही फेसबुक और इंस्टाग्राम एकाउंट पर डाली गई पोस्ट में भी दिखा।

अबुबाकर के गोल से कैमरून ने सर्बिया को 3-3 से ड्रॉ पर रोका

अल वाकराह (कतर)। स्थानापन्न खिलाड़ी विन्सेंट अबुबाकर ने एक गोल किया और दूसरा गोल करने में मदद की जिससे कतर से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सोमवार को यहां फीफा विश्व कप के ग्रुप जी मैच में सर्बिया को 3-3 से बराबरी पर रोक दिया।

अबुबाकर ने 64वें मिनट में सर्बिया के गोलकीपर वांजा मिलिनकोविच को छकाकर गोल दागा और फिर दो मिनट बाद स्ट्राइकर एरिक मैक्सिम चोपो के गोल में मदद की। कतर में चल रहे विश्व कप में यह पहला मौका है जब दोनों टीम के बढ़त बनाने के बावजूद मैच ड्रॉ रहा। इस ड्रॉ से दोनों टीम के एक-एक अंक हो गए हैं। ब्राजील और स्विट्जरलैंड के बीच सोमवार को ही होने वाले ग्रुप जी के मैच को जीतने वाली टीम का नॉकआउट में जगह बनाना तय होगा। कैमरून को 29वें मिनट में सेंट्रल डिफेंडर जीन चार्ल्स कास्टेलेटो ने बढ़त दिलाई। ऐसा लग रहा था कि मध्यांतर तक कैमरून की बढ़त बरकरार रहेगी लेकिन स्ट्रेहिंजा पावलोविच ने पहले हाफ के इंजरी टाइम के पहले मिनट में स्कोर I-I कर दिया। मिडफील्डर सर्गेज मिलिनकोविच साविच ने इसके दो मिनट बाद 20 मीटर की दूरी से दनदनाता हुआ शॉट लगाकर सर्बिया को 2-I से आगे कर दिया। स्ट्राइकर एलेक्सांद्र मित्रोविच ने अल जेनोब स्टेडियम में 53वें मिनट में एक और गोल दागकर सर्बिया को 3-I से आगे किया। कैमरून के कोच रिगोबर्ट सोंग ने इस मैच के लिए गोलकीपर आंद्रे ओनाना को मौका नहीं किया। ओनाना को बाहर करने के कारण का पता नहीं चला है लेकिन इस तरह की खबरें हैं कि उन्हें अनुशासनात्मक कारणों से बाहर किया गया।

कुडूस के दो गोल से घाना ने दक्षिण कोरिया को हराया

अल रेयान (कतर)। दक्षिण कोरिया ने दूसरे हाफ में कड़ी चुनौती पेश की लेकिन इसके बावजूद मोहम्मद कुडूस के दो गोल से घाना ने फीफा विश्व कप के ग्रुप एच मैच में सोमवार को यहां 3-2 की जीत के साथ नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीदों को जीवंत रखा। पुर्तगाल के खिलाफ शिकस्त के साथ अभियान शुरू करने वाले घाना के लिए मोहम्मद सालिसू ने भी एक गोल दागा। कोरिया की टीम जब 0-2 से पीछे चल रही थी तब चो ग्यु सुंग ने तीन मिनट के अंतर पर दो गोल दागकर स्कोर 2-2 किया। सालिसू ने 24वें मिनट में घाना को बढ़त दिलाई जिसके बाद कुडूस ने 34वें मिनट में एक और गोल दागकर टीम को 2-0 से आगे कर दिया। कोरिया की टीम ने दूसरे हाफ में बेहतर खेल दिखाया। ग्यु सुंग ने 58वें मिनट में घाना की बढ़त को कम किया और फिर 61वें मिनट में एक और गोल दागकर कोरिया को बराबरी दिला दी। कुडूस ने 68वें मिनट में गोल करके घाना को 3-2 से आगे किया जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ। मैच के अंतिम मिनटों में घाना ने रक्षात्मक रवैया अपनाया।

विश्व कप मैच में वेल्स के वायरल हुए वीडियो से प्रेरणा लेगा इंग्लैंड

एजेंसी ■ दोहा

इंग्लैंड को मंगलवार को यहां वेल्स के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम फुटबॉल विश्व कप ग्रुप मैच में अगर अतिरिक्त प्रेरणा की जरूरत है तो उसे सिर्फ 2016 में वायरल हुआ एक वीडियो देखने की जरूरत है।

इंग्लैंड के उस समय यूरोपीय चैंपियनशिप में आइसलैंड के खिलाफ शिकस्त के साथ टूर्नामेंट से बाहर होने पर वेल्स के खिलाड़ियों का जश्न मनाने का वीडियो काफी वायरल हुआ था। इंग्लैंड उस समय

शर्मसार हुआ था। ग्रुप चरण में इंग्लैंड से हारने वाली वेल्स की टीम हालांकि सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही थी। तब से हालांकि काफी कुछ बदल गया है और इंग्लैंड की टीम में काफी सुधार हुआ है। टीम 2018 विश्व कप के सेमीफाइनल और पिछले साल यूरोपीय चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची जहां उसे इटली के खिलाफ पेनल्टी शूट आउट में हार का सामना करना पड़ा। कतर में खिताब के दावेदारों में शामिल इंग्लैंड की टीम को नॉकआउट में जगह सुनिश्चित करने के लिए वेल्स के खिलाफ सिर्फ एक अंक हासिल करने की जरूरत है। इंग्लैंड की टीम हालांकि हार के बावजूद अगले दौर में जगह बना सकती है लेकिन इसके लिए उसे अपना गोल अंतर बेहतर रखना होगा। वेल्स की टीम अंक तालिका में अंतिम पायदान पर चल रही है और उसने दो मैच में सिर्फ एक अंक जुटाया है। विश्व कप में 1958 के बाद खेल रही वेल्स की टीम को नॉकआउट की उम्मीद जीवंत रखने के लिए इंग्लैंड के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। वेल्स को हालांकि 1984 के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहली जीत दर्ज करनी है तो उसे गैरेथ बेल से प्रेरणा लेनी होगी। इंग्लैंड के हैरी केन मौजूदा टूर्नामेंट में एक भी गोल नहीं दाग पाए हैं। ईरान के खिलाफ पहले मैच में टखने में चोट लगने के बाद वह अमेरिका के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ के दौरान लय में नहीं दिखे थे।

गायकवाड़ ने एक ओवर में सात छक्के जड़कर बनाया विश्व रिकॉर्ड

एजेंसी ■ अहमदाबाद

महाराष्ट्र के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने सोमवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट मैच के दौरान एक ओवर में सात छक्के जड़कर लिस्ट ए में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया।

इस ओवर में कुल 43 रन बने। इससे पहले 2018 में फोर्ड ट्रॉफी में नार्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की तरफ से ब्रेट हैम्पटन और जो कार्टर ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के विलेम लुडिक के ओवर में इतने रन बनाए थे। रुतुराज ने विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश के खिलाफ पारी के 49वें ओवर में यह कारनामा दिखाया। गेंदबाज शिवा सिंह थे जिन्होंने इस ओवर में एक नोबॉल भी की जिससे यह सात गेंद का ओवर हो गया। कुल मिलाकर एक ओवर में सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के ली जर्मोन के नाम पर है, जिन्होंने वेलिंगटन में शेल ट्रॉफी के एक मैच में आठ छक्के लगाए थे। नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बी ग्राउंड पर खेले हुए इस मैच में बाएं हाथ के स्पिनर शिवा सिंह की ओवर की पांचवी गेंद नोबॉल थी और उस पर भी गायकवाड़ ने छक्का लगाया था। गायकवाड़ पारी का

आगाज करते हुए आखिर तक क्रीज पर टिके रहे। उन्होंने 159 गेंदों पर नाबाद 220 रन बनाए जिसमें 10 चौके और 16 छक्के शामिल है। गायकवाड की पारी की मदद से महाराष्ट्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 330 रन बनाए। इसमें उनके साथियों का योगदान केवल 96 रन था। शिवा सिंह की पहली गेंद नीचे रहती फुलटास थी जिस पर गायकवाड़ ने मिडविकेट पर छक्का लगाया। दूसरी गेंद पर उन्होंने सीधा छक्का जमाया जबकि तीसरी गेंद को डीप स्क्वायर लेग पर छह रन के लिए भेजा। चौथी गेंद को लांग ऑफ जबकि नोबॉल करार दी गई पांचवी गेंद भी इसी दिशा में छक्के के लिए भेजी गई। गायकवाड ने इसके बाद फ्रीहिट का पूरा फायदा उठा कर छठी गेंद पर लॉन्ग ऑन पर छक्का लगाया। सातवीं और आखिरी गेंद पर उन्होंने डीप मिडविकेट पर छक्का जमाया। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से गायकवाड़ उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने क्रिकेट के सभी प्रारूपों में एक ओवर में कम से कम लगातार छह छक्के जड़े हों। उनसे पहले सर गारफील्ड सोबर्स, रवि शास्त्री, हर्शल गिब्स, युवराज सिंह, रॉस व्हाइटली, हज़रतउल्ला ज़ज़ई, लियो कार्टर, कीरोन पोलार्ड और तिसारा परेरा यह कारनामा कर चुके हैं। जहां तक गेंदबाज शिवा सिंह की बात है तो उन्होंने नौ ओवर में 88 रन दिए।

गायकवाड़ की रिकॉर्ड पारी से महाराष्ट्र सेमीफाइनल में

अहमदाबाद। रुतुराज गायकवाड़ के रिकॉर्ड दोहरे शतक से महाराष्ट्र ने सोमवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट में उत्तर प्रदेश को 58 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में गायकवाड़ ने एक ओवर में सात छक्कों की मदद से 43 रन जुटाए। उत्तर प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद महाराष्ट्र के कप्तान गायकवाड़ ने 159 गेंद में 220 रन की पारी खेली जिससे टीम ने पांच विकेट पर 330 रन का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में उत्तर प्रदेश की टीम विकेटकीपर बल्लेबाज आर्यन जुयाल की 143 गेंद में 159 रन की पारी के बावजूद 47.4 ओवर में 272 रन पर ढेर हो गई। महाराष्ट्र की ओर से राज्यवर्धन हांगरगेकर ने करियर में पहली बार 53 रन देकर पांच विकेट चटकाए। गायकवाड़ ने उत्तर प्रदेश के बाएं हाथ के स्पिनर शिवा सिंह के पारी के 49वें ओवर में लगातार सात छक्कों के साथ लिस्ट ए में नया रिकॉर्ड बनाया। एक गेंद नोबॉल थी। बुधवार को सेमीफाइनल में महाराष्ट्र की भिड़ंत असम से होगी जिसने जम्मू-कश्मीर को हराया। इससे पहले 2018 में फोर्ड ट्रॉफी में नार्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की तरफ से ब्रेट हैम्पटन और जो कार्टर ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के विलेम लुडिक के ओवर में इतने रन बनाए थे। शिवा सिंह की पहली गेंद नीचे रहती फुलटास थी जिस पर गायकवाड़ ने मिडविकेट पर छक्का लगाया। दूसरी गेंद पर उन्होंने सीधा छक्का जमाया जबकि तीसरी गेंद को डीप स्क्वायर लेग पर छह रन के लिए भेजा। चौथी गेंद को लांग ऑफ जबकि नोबॉल करार दी गई पांचवी गेंद भी इसी दिशा में छक्के के लिए भेजी गई। गायक्वाड ने इसके बाद फ्रीहिट का पूरा फायदा उठा कर छठी गेंद पर लॉन्ग ऑन पर छक्का लगाया।

अवसरों को बर्बाद कर रहे हैं पंत, उन्हें विश्राम देने की जरूरत : श्रीकांत

नई दिल्ली। चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष कृष्णमाचारी श्रीकांत का मानना है की ऋषभ पंत अवसरों को बर्बाद कर रहे हैं और उन्हें अपने खेल में जान फूंकने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विश्राम देने की जरूरत है। पंत सीमित ओवरों की क्रिकेट में लगातार नाकाम रहे हैं। उन्होंने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपना आखिरी अर्धशतक फरवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ लगाया था। उन्होंने 2022 में टी20 अंतरराष्ट्रीय में जो 21 पारियां खेली हैं उनमें वह केवल दो बार 30 रन की संख्या को पार कर पाए हैं। वनडे में इस 25 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज ने इस साल नौ पारियों में दो अर्धशतक और एक शतक लगाया है।

कतर के खिलाफ प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा नीदरलैंड

एजेंसी ■ दोहा

विश्व कप के नॉकआउट चरण में जगह बनाने की दहलीज पर खड़ा नीदरलैंड मंगलवार को यहां कतर के खिलाफ अपने अंतिम ग्रुप ए मैच में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा।

अगर नीदरलैंड की टीम अगले चरण में जगह बनाती है तो इसमें 71 वर्षीय कोच लुई वान गाल की अहम भूमिका होगी जिन्होंने प्रोस्टेट कैंसर के इलाज के बावजूद एक साल से कुछ अधिक समय पहले राष्ट्रीय टीम की कमान संभालने के लिए संन्यास से वापसी की। मेजबान देश कतर अपने शुरुआती दो मैच हारकर पहले ही ग्रुप चरण से आगे बढ़ने का मौका गंवा चुका है। नीदरलैंड के लिए एक ड्रॉ आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त होगा। चार साल पहले क्वालीफाई करने में विफल रही यह टीम इस तरह एक बार फिर

खिताब की दावेदार होगी। अगर ग्रुप ए के दूसरे मैच में इक्वाडोर सेनेगल को हरा देता है तो नीदरलैंड की टीम हार के बाद भी नॉकआउट में जगह बना सकती है। प्री क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड ग्रुप बी की शीर्ष दो टीमों में से एक का सामना करेगा जहां इंग्लैंड प्रबल दावेदार है जबकि दूसरे स्थान के लिए ईरान, वेल्स और अमेरिका के बीच जंग है। वान गाल ने विश्व कप से पहले कहा था कि नीदरलैंड खिताब जीत सकता है लेकिन कुछ ही लोग इस टीम को देश की सर्वश्रेष्ठ टीम में से एक के रूप में देखते हैं। विश्व कप में कोई भी टीम नीदरलैंड जितनी बार नहीं चूकी है।

➡ अगर नीदरलैंड की टीम अगले चरण में जगह बनाती है तो इसमें 71 वर्षीय कोच लुई वान गाल की अहम भूमिका होगी

टीम तीन बार उपविजेता रही है। 1974 में पश्चिम जर्मनी के खिलाफ, 1978 में अर्जेंटीना के खिलाफ और 2010 के फाइनल में उसे स्पेन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। ब्राजील में 2014 विश्व कप के सेमीफाइनल में अर्जेंटीना के खिलाफ शूटआउट में हारने के बाद नीदरलैंड की टीम तीसरे स्थान पर रही थी।

एक नजर

पराग के 174 रन से असम ने जम्मू कश्मीर को हराया

अहमदाबाद। रियान पराग के 116 गेंद में 174 रन की मदद से असम ने जीत के लिए 46 .। ओवर में 351 रन का लक्ष्य हासिल करके विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में जम्मू कश्मीर को हरा दिया। पराग ने अपनी पारी में 12 छक्के और 12 चौके लगाए जिसकी मदद से असम ने सात विकेट से मैच जीता। जम्मू कश्मीर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 350 रन बनाए जिसमें हेनान नजीर ने 113 गेंद में 124 रन बनाए। वहीं शुभम खजूरिया ने 84 गेंद में 120 रन की पारी खेली। असम ने जवाब में दो विकेट 45 रन पर गंवा दिए थे लेकिन पराग और रिषव दास ने पारी को संभाला। दास ने 118 गेंद में 114 रन बनाए। पराग और दास ने 277 रन की साझेदारी की। यह हजारे ट्रॉफी के इस सत्र में पराग का तीसरा शतक था। पराग उस समय आउट हो गए जब टीम लक्ष्य से 29 रन पीछे थी लेकिन दास ने 23 गेंद बाकी रहते उसे जीत तक पहुंचाया।

वार्नर ने ग्रीन को आईपीएल के बोझ के प्रति चेताया

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने व्यस्त कार्यक्रम से पहले थकान की आशंका को लेकर कैमरन ग्रीन को चेताते हुए कहा है कि इस ऑलराउंडर को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने प्रतिनिधित्व को लेकर बड़ा फैसला करना है। आईपीएल नीलामी के लिए पहले ही स्वयं को पंजीकृत करा चुके ग्रीन के लगभग आधा सत्र भारत में बिताने की उम्मीद है। आईपीएल के अलावा वह भारत में चार टेस्ट और दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला भी खेलेंगे। भारत में अगले साल होने वाले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप से पहले उन्हें इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर भी जाना होगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट श्रृंखला से पूर्व वार्नर ने सोमवार को कहा, भारत में 19 हफ्ते, यह आपका पहला दौरा भी होगा, यह काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है- गर्मी के नजरिए से, खेलना और उबरना। उन्होंने कहा, मैं इससे गुजर चुका हूं। मैं वहां टेस्ट श्रृंखला और फिर आईपीएल में खेल चुका हूं। यह काफी मुश्किल होता है। इसके अलावा आपको इंग्लैंड में पांच टेस्ट भी खेलने हैं। मुझे लगता है कि इसके बाद 20 दिन का ब्रेक है और फिर आप दक्षिण अफ्रीका तथा उसके बाद विश्व कप के लिए जाएंगे। वार्नर ने कहा, ग्लेन मैक्सवेल ने कुछ साल पहले ऐसा किया था, पूरे साल खेला और ऑस्ट्रेलिया का सत्र आने तक वह काफी थक चुका था।

आईपीएल में सीखने के लिए सबसे अच्छा माहौल मिलेगा: कैमरन ग्रीन

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी के लिए अपने नाम का पंजीकरण करने के बाद कहा कि वह इस टी20 लीग में खेलने को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि वहां एक क्रिकेटर को खुद को निखारने के लिए सर्वश्रेष्ठ माहौल मिलता है। आईपीएल में खिलाड़ियों की नीलामी 23 दिसंबर को कोच्चि में होगी जिसमें इस 23 वर्षीय खिलाड़ी पर सभी फ्रेंचाइजी टीम की निगाह रहेगी। क्रिकेट.कॉम.एयू के अनुसार ग्रीन ने कहा, मैंने इसके लिए पंजीकरण कर दिया है।

सलाह — ली ने कहा, अर्शदीप को मेरी पहली सलाह यह है कि अमूमन लोग कहते हैं कि तेज गेंदबाजों को जिम जाना चाहिए।

अर्शदीप को सलाहकारों से बचाना होगा राहुल और रोहित को: ब्रेट ली

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के अपने जमाने के दिग्गज तेज गेंदबाज ब्रेट ली चाहते हैं कि भारतीय कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को अत्याधिक सलाह से जितना संभव हो दूर रखना चाहिए क्योंकि इसके विपरीत प्रभाव भी पड़ सकते हैं। इस साल जुलाई में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले अर्शदीप ने भारत की तरफ से शानदार प्रदर्शन किया और टी20 टीम में अपनी जगह पक्की की। उन्होंने न्यूजीलैंड के वर्तमान दौरे में

अपना पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति का अर्शदीप ने पूरा फायदा उठाया तथा 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 33 विकेट लिए। ली ने अपने यूट्यूब चैनल ब्रेट ली लाइव पर कहा, अक्सर टीमों को पता नहीं होता कि इन युवा खिलाड़ियों के साथ क्या करना चाहिए। हमने पहले भी देखा है कि जब कोई युवा खिलाड़ी टीम से जुड़ता है तो उसे खिलाड़ियों, टीवी, कमेंटेटरों और यहां तक कि होटल में भी सलाह मिलती रहती है। हर किसी का उद्देश्य सही होता है लेकिन कई बार बहुत अधिक सलाह विपरीत प्रभाव डाल देती है। उन्होंने कहा, इसलिए अर्शदीप को अत्याधिक सलाह से बचाने का जिम्मा राहुल द्रविड़ और रोहित शर्मा का है। ली ने इसके साथ ही अर्शदीप को चोटों से मुक्त रहने के लिए भी सलाह दी। उन्होंने कहा, ऐसे खिलाड़ी को जिसने की बहुत कम मैच खेले हों, मेरा मानना है कि मैं उसके साथ कुछ विचार साझा करने के योग्य हूं। कुछ छोटी-छोटी बातें हैं जिनसे मुझे लगता

है कि अर्शदीप के एक्शन में मदद मिल सकती है और वह अधिक विकेट ले सकते हैं। ली ने कहा, अर्शदीप को मेरी पहली सलाह यह है कि अमूमन लोग कहते हैं कि तेज गेंदबाजों को जिम जाना चाहिए। वह चाहते हैं तेज गेंदबाज मजबूत बने। दिमाग से भी मजबूत बना जा सकता है। मेरा मानना है कि जिम जाओ लेकिन वहां बहुत अधिक समय मत दो। अपनी मांसपेशियों को लेकर चिंता मत करो इससे आपको तेज गेंदबाजी करने में मदद नहीं मिलेगी। अर्शदीप की एशिया कप सुपर चार मैच में पाकिस्तान के बल्लेबाज आसिफ अली का आसान कैच छोड़ने के लिए सोशल मीडिया पर कड़ी आलोचना हुई थी। ली ने इस युवा तेज गेंदबाज को सलाह दी कि वह सोशल मीडिया के कारण अपना ध्यान भंग न करें। उन्होंने कहा, दूसरी सलाह सोशल मीडिया की पोस्ट को लेकर खुद को मजबूत बनाओ। अगर आप खिलाड़ी हैं और सोशल मीडिया पर आपकी उपस्थिति है तो आपको नोटिफिकेशन बंद कर देने चाहिए। आपके बारे में क्या लिखा गया है उसको मत पढ़ो। ऑस्ट्रेलिया का यह पूर्व क्रिकेटर इसके साथ ही चाहता है कि अर्शदीप घरेलू क्रिकेट खेलते रहें। उन्होंने कहा, घरेलू क्रिकेट में अपने कौशल पर काम करते रहें क्योंकि जब कोई विश्वकप नहीं हो और आप टेस्ट क्रिकेट नहीं खेल रहे हो तो तब घरेलू क्रिकेट में आपको अपनी चमक बिखेरनी चाहिए।

लोगों को जरूरत से ज्यादा क्रिकेट देखने को मिल रहा है: वॉ

एजेंसी ■ मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ का मानना है कि लोगों को जरूरत से ज्यादा क्रिकेट देखने को मिल रहा है और वह व्यस्त कार्यक्रम को लेकर निराश हैं। इस साल ऑस्ट्रेलियाई टीम के व्यस्त कार्यक्रम के संदर्भ में वॉ ने कहा कि दर्शकों के लिए मुकाबलों से सामंजस्य बैठाना बेहद मुश्किल हो गया है। टी20 विश्व कप फाइनल के तीन दिन बाद इस प्रारूप के नए चैंपियन इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन एकदिवसीय मैच की श्रृंखला खेली गई जिसके कारण क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को पुरुष टीम के मुकाबलों के कार्यक्रम तय करने को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा। इसमें कोई संदेह नहीं कि इस एकदिवसीय श्रृंखला के लिए काफी कम दर्शक मैदान पर पहुंचे। वॉ ने एसईएन के एक कार्यक्रम में कहा, काफी क्रिकेट हो रहा है, इस पर नजर रखना काफी मुश्किल हो गया है, एक दर्शक के रूप में इससे सामंजस्य बैठाना बेहद मुश्किल है। इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय निरर्थक लगते हैं, मेरे कहने का मतलब है कि वे किस चीज के लिए खेल रहे थे। काफी सारे दर्शक मैच देखने नहीं आए, मुझे लगता है कि लोगों को बहुत ज्यादा क्रिकेट देखने को मिल रहा है। मेजबान होने के अलावा ऑस्ट्रेलिया पिछले टी20 विश्व कप में गत चैंपियन के रूप में उतरा था लेकिन इसके बावजूद सुपर 12 के उनके पांच मैचों में स्टेडियम में दर्शकों की औसत उपस्थिति सिर्फ 37 हजार 565 थी। इसमें एमसीजी में इंग्लैंड के खिलाफ रद्द हुआ मैच भी शामिल है।वॉ ने कहा, आप चाहते हैं कि विशेष श्रृंखला को लेकर आकर्षण हो जैसा एशेज या इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में होता है।

शॉर्ट न्यूज

अमेरिकी फुटबॉल महासंघ ने फिर ईरान के झंडे से प्रतीक चिह्न हटाया

दोहा। अमेरिकी फुटबॉल महासंघ (यूएसएसएफ) ने ईरान के खिलाफ मंगलवार को होने वाले विश्व कप मुकाबले से पहले सोशल मीडिया पर कुछ समय के लिए इस देश के राष्ट्रीय ध्वज को इस्लामिक गणराज्य के प्रतीक चिह्न के बिना दिखाया। ईरान की सरकार ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिका पर आरोप लगा है कि उसने उसके राष्ट्रीय ध्वज से अल्लाह का नाम हटा दिया। यूएसएसएफ के इस फैसले से पश्चिमी एशिया के पहले विश्व कप में एक और राजनीतिक तूफान आ गया है। यूएसएसएफ ने यह कदम उस समय उठाया है जब अमेरिका विश्व कप के महत्वपूर्ण मुकाबले में ईरान से भिड़ने की तैयारी कर रहा है। दोनों देशों के बीच दशकों की दुश्मनी है और अमेरिका तेहरान की धार्मिक नियमों के अनुसार चलने वाली सरकार के खिलाफ राष्ट्रव्यापी विरोध का भी समर्थन कर रहा है। यूएसएसएफ ने रविवार सुबह बयान में कहा कि उसने ईरान में मूलभूत मानवाधिकार के लिए लड़ रहीं महिलाओं के समर्थन में सोशल मीडिया पर आधिकारिक ध्वज नहीं लगाने का फैसला किया। अमेरिकी पुरुष टीम के ट्विटर एकाउंट पर ग्रुप चरण के मुकाबलों की टीम दर्शाई गई है जिसमें ईरान के ध्वज में सिर्फ हरा, सफेद और लाल रंग दिखाया गया है। ऐसा ही फेसबुक और इंस्टाग्राम एकाउंट पर डाली गई पोस्ट में भी दिखा।

अबुबाकर के गोल से कैमरून ने सर्बिया को 3-3 से ड्रॉ पर रोका

अल वाकराह (कतर)। स्थानापन्न खिलाड़ी विन्सेंट अबुबाकर ने एक गोल किया और दूसरा गोल करने में मदद की जिससे कतर से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सोमवार को यहां फीफा विश्व कप के ग्रुप जी मैच में सर्बिया को 3–3 से बराबरी पर रोक दिया।

अबुबाकर ने 64वें मिनट में सर्बिया के गोलकीपर वांजा मिलिनकोविच को छकाकर गोल दागा और फिर दो मिनट बाद स्ट्राइकर एरिक मैक्सिम चोपो के गोल में मदद की। कतर में चल रहे विश्व कप में यह पहला मौका है जब दोनों टीम के बढ़त बनाने के बावजूद मैच ड्रॉ रहा। इस ड्रॉ से दोनों टीम के एक–एक अंक हो गए हैं। ब्राजील और स्विट्जरलैंड के बीच सोमवार को ही होने वाले ग्रुप जी के मैच को जीतने वाली टीम का नॉकआउट में जगह बनाना तय होगा। कैमरून को 29वें मिनट में सेंट्रल डिफेंडर जीन चार्ल्स कास्टेलेटो ने बढ़त दिलाई। ऐसा लग रहा था कि मध्यांतर तक कैमरून की बढ़त बरकरार रहेगी लेकिन स्ट्रेहिंजा पावलोविच ने पहले हाफ के इंजरी टाइम के पहले मिनट में स्कोर ।–। कर दिया। मिडफील्डर सर्गेज मिलिनकोविच साविच ने इसके दो मिनट बाद 20 मीटर की दूरी से दनदनाता हुआ शॉट लगाकर सर्बिया को 2–। से आगे कर दिया। स्ट्राइकर एलेक्सांद्र मित्रोविच ने अल जेनोब स्टेडियम में 53वें मिनट में एक और गोल दागकर सर्बिया को 3–। से आगे किया। कैमरून के कोच रिगोबर्ट सोंग ने इस मैच के लिए गोलकीपर आंद्रे ओनाना को मौका नहीं किया। ओनाना को बाहर करने के कारण का पता नहीं चला है लेकिन इस तरह की खबरें हैं कि उन्हें अनुशासनात्मक कारणों से बाहर किया गया।

कुडूस के दो गोल से घाना ने दक्षिण कोरिया को हराया

अल रेयान (कतर)। दक्षिण कोरिया ने दूसरे हाफ में कड़ी चुनौती पेश की लेकिन इसके बावजूद मोहम्मद कुडूस के दो गोल से घाना ने फीफा विश्व कप के ग्रुप एच मैच में सोमवार को यहां 3–2 की जीत के साथ नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीदों को जीवंत रखा। पुर्तगाल के खिलाफ शिकस्त के साथ अभियान शुरू करने वाले घाना के लिए मोहम्मद सालिसू ने भी एक गोल दागा। कोरिया की टीम जब 0–2 से पीछे चल रही थी तब चो ग्यु सुंग ने तीन मिनट के अंतर पर दो गोल दागकर स्कोर 2–2 किया। सालिसू ने 24वें मिनट में घाना को बढ़त दिलाई जिसके बाद कुडूस ने 34वें मिनट में एक और गोल दागकर टीम को 2–0 से आगे कर दिया। कोरिया की टीम ने दूसरे हाफ में बेहतर खेल दिखाया। ग्यु सुंग ने 58वें मिनट में घाना की बढ़त को कम किया और फिर 61वें मिनट में एक और गोल दागकर कोरिया को बराबरी दिला दी। कुडूस ने 68वें मिनट में गोल करके घाना को 3–2 से आगे किया जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ। मैच के अंतिम मिनटों में घाना ने रक्षात्मक रवैया अपनाया।

विश्व कप मैच में वेल्स के वायरल हुए वीडियो से प्रेरणा लेगा इंग्लैंड

एजेंसी ■ दोहा

इंग्लैंड को मंगलवार को यहां वेल्स के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम फुटबॉल विश्व कप ग्रुप मैच में अगर अतिरिक्त प्रेरणा की जरूरत है तो उसे सिर्फ 2016 में वायरल हुआ एक वीडियो देखने की जरूरत है।

इंग्लैंड के उस समय यूरोपीय चैंपियनशिप में आइसलैंड के खिलाफ शिकस्त के साथ टूर्नामेंट से बाहर होने पर वेल्स के खिलाड़ियों का जश्न मनाने का वीडियो काफी वायरल हुआ था। इंग्लैंड उस समय शर्मसार हुआ था। ग्रुप चरण में इंग्लैंड से हारने वाली वेल्स की टीम हालांकि सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही थी। तब से हालांकि काफी कुछ बदल गया है और इंग्लैंड की टीम में काफी सुधार हुआ है। टीम 2018 विश्व कप के सेमीफाइनल और पिछले साल यूरोपीय चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची जहां उसे इटली के खिलाफ पेनल्टी शूट आउट में हार का सामना करना पड़ा। कतर में खिताब के दावेदारों में शामिल इंग्लैंड की टीम को नॉकआउट में जगह सुनिश्चित करने के लिए वेल्स के खिलाफ सिर्फ एक अंक हासिल करने की जरूरत है। इंग्लैंड की टीम हालांकि हार के बावजूद अगले दौर में जगह बना सकती है लेकिन इसके लिए उसे अपना गोल अंतर बेहतर रखना होगा। वेल्स की टीम अंक तालिका में अंतिम पायदान पर चल रही है और उसने दो मैच में सिर्फ एक अंक जुटाया है। विश्व कप में 1958 के बाद खेल रही वेल्स की टीम को नॉकआउट की उम्मीद जीवंत रखने के लिए इंग्लैंड के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। वेल्स को हालांकि 1984 के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहली जीत दर्ज करनी है तो उसे गैरेथ बेल से प्रेरणा लेनी होगी। इंग्लैंड के हैरी केन मौजूदा टूर्नामेंट में एक भी गोल नहीं दाग पाए हैं। ईरान के खिलाफ पहले मैच में टखने में चोट लगने के बाद वह अमेरिका के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ के दौरान लय में नहीं दिखे थे।

गायकवाड़ ने एक ओवर में सात छक्के जड़कर बनाया विश्व रिकॉर्ड

एजेंसी ■ अहमदाबाद

महाराष्ट्र के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने सोमवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट मैच के दौरान एक ओवर में सात छक्के जड़कर लिस्ट ए में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया।

इस ओवर में कुल 43 रन बने। इससे पहले 2018 में फोर्ड ट्रॉफी में नार्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की तरफ से ब्रेट हैम्पटन और जो कार्टर ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के विलेम लुडिक के ओवर में इतने रन बनाए थे। रुतुराज ने विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश के खिलाफ पारी के 49वें ओवर में यह कारनामा दिखाया। गेंदबाज शिवा सिंह थे जिन्होंने इस ओवर में एक नोबॉल भी की जिससे यह सात गेंद का ओवर हो गया। कुल मिलाकर एक ओवर में सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के ली जर्मोन के नाम पर है, जिन्होंने वेलिंगटन में शेल ट्रॉफी के एक मैच में आठ छक्के लगाए थे। नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बी ग्राउंड पर खेले हुए इस मैच में बाएं हाथ के स्पिनर शिवा सिंह की ओवर की पांचवी गेंद नोबॉल थी और उस पर भी गायकवाड़ ने छक्का लगाया था। गायकवाड़ पारी का

आगाज करते हुए आखिर तक क्रीज पर टिके रहे। उन्होंने 159 गेंदों पर नाबाद 220 रन बनाए जिसमें 10 चौके और 16 छक्के शामिल है। गायकवाड की पारी की मदद से महाराष्ट्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 330 रन बनाए। इसमें उनके साथियों का योगदान केवल 96 रन था। शिवा सिंह की पहली गेंद नीचे रहती फुलटास थी जिस पर गायकवाड़ ने मिडविकेट पर छक्का लगाया। दूसरी गेंद पर उन्होंने सीधा छक्का जमाया जबकि तीसरी गेंद को डीप स्क्वायर लेग पर छह रन के लिए भेजा। चौथी गेंद को लांग ऑफ जबकि नोबॉल करार दी गई पांचवी गेंद भी इसी दिशा में छक्के के लिए भेजी गई। गायकवाड ने इसके बाद फ्रीहिट का पूरा फायदा उठा कर छठी गेंद पर लॉन्ग ऑन पर छक्का लगाया। सातवीं और आखिरी गेंद पर उन्होंने डीप मिडविकेट पर छक्का जमाया। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से गायकवाड़ उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने क्रिकेट के सभी प्रारूपों में एक ओवर में कम से कम लगातार छह छक्के जड़े हों। उनसे पहले सर गारफील्ड सोबर्स, रवि शास्त्री, हर्शल गिब्स, युवराज सिंह, रॉस व्हाइटली, हज़रतउल्ला ज़ज़ई, लियो कार्टर, कीरोन पोलार्ड और तिसारा परेरा यह कारनामा कर चुके हैं। जहां तक गेंदबाज शिवा सिंह की बात है तो उन्होंने नौ ओवर में 88 रन दिए।

गायकवाड़ की रिकॉर्ड पारी से महाराष्ट्र सेमीफाइनल में

अहमदाबाद। रुतुराज गायकवाड़ के रिकॉर्ड दोहरे शतक से महाराष्ट्र ने सोमवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट में उत्तर प्रदेश को 58 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में गायकवाड़ ने एक ओवर में सात छक्कों की मदद से 43 रन जुटाए। उत्तर प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद महाराष्ट्र के कप्तान गायकवाड़ ने 159 गेंद में 220 रन की पारी खेली जिससे टीम ने पांच विकेट पर 330 रन का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में उत्तर प्रदेश की टीम विकेटकीपर बल्लेबाज आर्यन जुयाल की 143 गेंद में 159 रन की पारी के बावजूद 47.4 ओवर में 272 रन पर ढेर हो गई। महाराष्ट्र की ओर से राज्यवर्धन हांगरगेकर ने करियर में पहली बार 53 रन देकर पांच विकेट चटकाए। गायकवाड़ ने उत्तर प्रदेश के बाएं हाथ के स्पिनर शिवा सिंह के पारी के 49वें ओवर में लगातार सात छक्कों के साथ लिस्ट ए में नया रिकॉर्ड बनाया। एक गेंद नोबॉल थी। बुधवार को सेमीफाइनल में महाराष्ट्र की भिड़ंत असम से होगी जिसने जम्मू–कश्मीर को हराया। इससे पहले 2018 में फोर्ड ट्रॉफी में नार्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की तरफ से ब्रेट हैम्पटन और जो कार्टर ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के विलेम लुडिक के ओवर में इतने रन बनाए थे। शिवा सिंह की पहली गेंद नीचे रहती फुलटास थी जिस पर गायकवाड़ ने मिडविकेट पर छक्का लगाया। दूसरी गेंद पर उन्होंने सीधा छक्का जमाया जबकि तीसरी गेंद को डीप स्क्वायर लेग पर छह रन के लिए भेजा। चौथी गेंद को लांग ऑफ जबकि नोबॉल करार दी गई पांचवी गेंद भी इसी दिशा में छक्के के लिए भेजी गई। गायक्वाड ने इसके बाद फ्रीहिट का पूरा फायदा उठा कर छठी गेंद पर लॉन्ग ऑन पर छक्का लगाया।

अवसरों को बर्बाद कर रहे हैं पंत, उन्हें विश्राम देने की जरूरत : श्रीकांत

नई दिल्ली। चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष कृष्णमाचारी श्रीकांत का मानना है की ऋषभ पंत अवसरों को बर्बाद कर रहे हैं और उन्हें अपने खेल में जान फूंकने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विश्राम देने की जरूरत है। पंत सीमित ओवरों की क्रिकेट में लगातार नाकाम रहे हैं। उन्होंने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपना आखिरी अर्धशतक फरवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ लगाया था। उन्होंने 2022 में टी20 अंतरराष्ट्रीय में जो 21 पारियां खेली हैं उनमें वह केवल दो बार 30 रन की संख्या को पार कर पाए हैं। वनडे में इस 25 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज ने इस साल नौ पारियों में दो अर्धशतक और एक शतक लगाया है।

कतर के खिलाफ प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा नीदरलैंड

एजेंसी ■ दोहा

विश्व कप के नॉकआउट चरण में जगह बनाने की दहलीज पर खड़ा नीदरलैंड मंगलवार को यहां कतर के खिलाफ अपने अंतिम ग्रुप ए मैच में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा।

अगर नीदरलैंड की टीम अगले चरण में जगह बनाती है तो इसमें 71 वर्षीय कोच लुई वान गाल की अहम भूमिका होगी जिन्होंने प्रोस्टेट कैंसर के इलाज के बावजूद एक साल से कुछ अधिक समय पहले राष्ट्रीय टीम की कमान संभालने के लिए संन्यास से वापसी की। मेजबान देश कतर अपने शुरुआती दो मैच हारकर पहले ही ग्रुप चरण से आगे बढ़ने का मौका गंवा चुका है। नीदरलैंड के लिए एक ड्रॉ आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त होगा। चार साल पहले क्वालीफाई करने में विफल रही यह टीम इस तरह एक बार फिर

खिताब की दावेदार होगी। अगर ग्रुप ए के दूसरे मैच में इक्वाडोर सेनेगल को हरा देता है तो नीदरलैंड की टीम हार के बाद भी नॉकआउट में जगह बना सकती है। प्री क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड ग्रुप बी की शीर्ष दो टीमों में से एक का सामना करेगा जहां इंग्लैंड प्रबल दावेदार है जबकि दूसरे स्थान के लिए ईरान, वेल्स और अमेरिका के बीच जंग है। वान गाल ने विश्व कप से पहले कहा था कि नीदरलैंड खिताब जीत सकता है लेकिन कुछ ही लोग इस टीम को देश की सर्वश्रेष्ठ टीम में से एक के रूप में देखते हैं। विश्व कप में कोई भी टीम नीदरलैंड जितनी बार नहीं चूकी है।

➡ अगर नीदरलैड की टीम अगले चरण मे जगह बनाती है तो इसमें 71 वर्षीय कोच लुई वान गाल की अहम भूमिका होगी

टीम तीन बार उपविजेता रही है। 1974 में पश्चिम जर्मनी के खिलाफ, 1978 में अर्जेंटीना के खिलाफ और 2010 के फाइनल में उसे स्पेन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। ब्राजील में 2014 विश्व कप के सेमीफाइनल में अर्जेंटीना के खिलाफ शूटआउट में हारने के बाद नीदरलैंड की टीम तीसरे स्थान पर रही थी।

एक नजर

पराग के 174 रन से असम ने जम्मू कश्मीर को हराया

अहमदाबाद। रियान पराग के 116 गेंद में 174 रन की मदद से असम ने जीत के लिए 46 .। ओवर में 351 रन का लक्ष्य हासिल करके विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में जम्मू कश्मीर को हरा दिया। पराग ने अपनी पारी में 12 छक्के और 12 चौके लगाए जिसकी मदद से असम ने सात विकेट से मैच जीता। जम्मू कश्मीर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 350 रन बनाए जिसमें हेनान नजीर ने 113 गेंद में 124 रन बनाए। वहीं शुभम खजूरिया ने 84 गेंद में 120 रन की पारी खेली। असम ने जवाब में दो विकेट 45 रन पर गंवा दिए थे लेकिन पराग और रिषव दास ने पारी को संभाला। दास ने 118 गेंद में 114 रन बनाए। पराग और दास ने 277 रन की साझेदारी की। यह हजारे ट्रॉफी के इस सत्र में पराग का तीसरा शतक था। पराग उस समय आउट हो गए जब टीम लक्ष्य से 29 रन पीछे थी लेकिन दास ने 23 गेंद बाकी रहते उसे जीत तक पहुंचाया।

वार्नर ने ग्रीन को आईपीएल के बोझ के प्रति चेताया

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने व्यस्त कार्यक्रम से पहले थकान की आशंका को लेकर कैमरन ग्रीन को चेताते हुए कहा है कि इस ऑलराउंडर को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने प्रतिनिधित्व को लेकर बड़ा फैसला करना है। आईपीएल नीलामी के लिए पहले ही स्वयं को पंजीकृत करा चुके ग्रीन के लगभग आधा सत्र भारत में बिताने की उम्मीद है। आईपीएल के अलावा वह भारत में चार टेस्ट और दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला भी खेलेंगे। भारत में अगले साल होने वाले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप से पहले उन्हें इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर भी जाना होगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट श्रृंखला से पूर्व वार्नर ने सोमवार को कहा, भारत में 19 हफ्ते, यह आपका पहला दौरा भी होगा, यह काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है- गर्मी के नजरिए से, खेलना और उबरना। उन्होंने कहा, मैं इससे गुजर चुका हूं। मैं वहां टेस्ट श्रृंखला और फिर आईपीएल में खेल चुका हूं। यह काफी मुश्किल होता है। इसके अलावा आपको इंग्लैंड में पांच टेस्ट भी खेलने हैं। मुझे लगता है कि इसके बाद 20 दिन का ब्रेक है और फिर आप दक्षिण अफ्रीका तथा उसके बाद विश्व कप के लिए जाएंगे। वार्नर ने कहा, ग्लेन मैक्सवेल ने कुछ साल पहले ऐसा किया था, पूरे साल खेला और ऑस्ट्रेलिया का सत्र आने तक वह काफी थक चुका था।

आईपीएल में सीखने के लिए सबसे अच्छा माहौल मिलेगा: कैमरन ग्रीन

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी के लिए अपने नाम का पंजीकरण करने के बाद कहा कि वह इस टी20 लीग में खेलने को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि वहां एक क्रिकेटर को खुद को निखारने के लिए सर्वश्रेष्ठ माहौल मिलता है। आईपीएल में खिलाड़ियों की नीलामी 23 दिसंबर को कोच्चि में होगी जिसमें इस 23 वर्षीय खिलाड़ी पर सभी फ्रेंचाइजी टीम की निगाह रहेगी। क्रिकेट.कॉम.एयू के अनुसार ग्रीन ने कहा, मैंने इसके लिए पंजीकरण कर दिया है।

सलाह | ली ने कहा, अर्शदीप को मेरी पहली सलाह यह है कि अमूमन लोग कहते हैं कि तेज गेंदबाजो को जिम जाना चाहिए।

अर्शदीप को सलाहकारों से बचाना होगा राहुल और रोहित को: ब्रेट ली

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के अपने जमाने के दिग्गज तेज गेंदबाज ब्रेट ली चाहते हैं कि भारतीय कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को अत्याधिक सलाह से जितना संभव हो दूर रखना चाहिए क्योंकि इसके विपरीत प्रभाव भी पड़ सकते हैं। इस साल जुलाई में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले अर्शदीप ने भारत की तरफ से शानदार प्रदर्शन किया और टी20 टीम में अपनी जगह पक्की की। उन्होंने न्यूजीलैंड के वर्तमान दौरे में अपना पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति का अर्शदीप ने पूरा फायदा उठाया तथा 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 33 विकेट लिए। ली ने अपने यूट्यूब चैनल ब्रेट ली लाइव पर कहा, अक्सर टीमों को पता नहीं होता कि इन युवा खिलाड़ियों के साथ क्या करना चाहिए। हमने पहले भी देखा है कि जब कोई युवा खिलाड़ी टीम से जुड़ता है तो उसे खिलाड़ियों, टीवी, कमेंटेटरों और यहां तक कि होटल में भी सलाह मिलती रहती है। हर किसी का उद्देश्य सही होता है लेकिन कई बार बहुत अधिक सलाह विपरीत प्रभाव डाल देती है। उन्होंने कहा, इसलिए अर्शदीप को अत्याधिक सलाह से बचाने का जिम्मा राहुल द्रविड़ और रोहित शर्मा का है। ली ने इसके साथ ही अर्शदीप को चोटों से मुक्त रहने के लिए भी सलाह दी। उन्होंने कहा, ऐसे खिलाड़ी को जिसने की बहुत कम मैच खेले हों, मेरा मानना है कि मैं उसके साथ कुछ विचार साझा करने के योग्य हूं। कुछ छोटी-छोटी बातें हैं जिनसे मुझे लगता है कि अर्शदीप के एक्शन में मदद मिल सकती है और वह अधिक विकेट ले सकते हैं। ली ने कहा, अर्शदीप को मेरी पहली सलाह यह है कि अमूमन लोग कहते हैं कि तेज गेंदबाजों को जिम जाना चाहिए। वह चाहते हैं तेज गेंदबाज मजबूत बने। दिमाग से भी मजबूत बना जा सकता है। मेरा मानना है कि जिम जाओ लेकिन वहां बहुत अधिक समय मत दो। अपनी मांसपेशियों को लेकर चिंता मत करो इससे आपको तेज गेंदबाजी करने में मदद नहीं मिलेगी। अर्शदीप की एशिया कप सुपर चार मैच में पाकिस्तान के बल्लेबाज आसिफ अली का आसान कैच छोड़ने के लिए सोशल मीडिया पर कड़ी आलोचना हुई थी। ली ने इस युवा तेज गेंदबाज को सलाह दी कि वह सोशल मीडिया के कारण अपना ध्यान भंग न करें। उन्होंने कहा, दूसरी सलाह सोशल मीडिया की पोस्ट को लेकर खुद को मजबूत बनाओ। अगर आप खिलाड़ी हैं और सोशल मीडिया पर आपकी उपस्थिति है तो आपको नोटिफिकेशन बंद कर देने चाहिए। आपके बारे में क्या लिखा गया है उसको मत पढ़ो। ऑस्ट्रेलिया का यह पूर्व क्रिकेटर इसके साथ ही चाहता है कि अर्शदीप घरेलू क्रिकेट खेलते रहें। उन्होंने कहा, घरेलू क्रिकेट में अपने कौशल पर काम करते रहें क्योंकि जब कोई विश्वकप नहीं हो और आप टेस्ट क्रिकेट नहीं खेल रहे हो तो तब घरेलू क्रिकेट में आपको अपनी चमक बिखेरनी चाहिए।

लोगों को जरूरत से ज्यादा क्रिकेट देखने को मिल रहा है: वॉ

एजेंसी ■ मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ का मानना है कि लोगों को जरूरत से ज्यादा क्रिकेट देखने को मिल रहा है और वह व्यस्त कार्यक्रम को लेकर निराश हैं। इस साल ऑस्ट्रेलियाई टीम के व्यस्त कार्यक्रम के संदर्भ में वॉ ने कहा कि दर्शकों के लिए मुकाबलों से सामंजस्य बैठाना बेहद मुश्किल हो गया है। टी20 विश्व कप फाइनल के तीन दिन बाद इस प्रारूप के नए चैंपियन इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन एकदिवसीय मैच की श्रृंखला खेली गई जिसके कारण क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को पुरुष टीम के मुकाबलों के कार्यक्रम तय करने को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा। इसमें कोई संदेह नहीं कि इस एकदिवसीय श्रृंखला के लिए काफी कम दर्शक मैदान पर पहुंचे। वॉ ने एसईएन के एक कार्यक्रम में कहा, काफी क्रिकेट हो रहा है, इस पर नजर रखना काफी मुश्किल हो गया है, एक दर्शक के रूप में इससे सामंजस्य बैठाना बेहद मुश्किल है। इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय निरर्थक लगते हैं, मेरे कहने का मतलब है कि वे किस चीज के लिए खेल रहे थे। काफी सारे दर्शक मैच देखने नहीं आए, मुझे लगता है कि लोगों को बहुत ज्यादा क्रिकेट देखने को मिल रहा है। मेजबान होने के अलावा ऑस्ट्रेलिया पिछले टी20 विश्व कप में गत चैंपियन के रूप में उतरा था लेकिन इसके बावजूद सुपर 12 के उनके पांच मैचों में स्टेडियम में दर्शकों की औसत उपस्थिति सिर्फ 37 हजार 565 थी। इसमें एमसीजी में इंग्लैंड के खिलाफ रद्द हुआ मैच भी शामिल है।वॉ ने कहा, आप चाहते हैं कि विशेष श्रृंखला को लेकर आकर्षण हो जैसा एशेज या इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में होता है।

ब्यूटी

खास मेकअप से दिखेंगे हमेशा जवां

आप हमेशा यंग दिखना चाहती होंगी और इसके लिए कई तरह का मेकअप भी करती होंगी। अगर आपको इसके बावजूद भी यंग दिखने में कामयाबी नहीं हासिल हो पा रही है तो यहां दिए गए टिप्स को अपनाएं-

पाउडर आईशैडो को क्रीम से बदल कर देखें। क्रीम शैडोज मैटेलिक लुक देते हैं और उनमें शीन भी होती है तो वे लाइट कैच करते हैं। ये नैचरली आपकी आंखें शेप करते हैं और सबल हाइलाइट इफेक्ट देते हैं। अगर आप यूथफुल लुक चाहते हैं तो डेकोरेशन से ज्यादा महत्व स्ट्रक्चर को दें। क्लीन और ज्यादा पॉलिश्ड इफेक्ट के लिए जाएं। दो या तीन आईशैडो बहुत ज्यादा लगने लगती हैं।

सुपर ग्रूम्ड लुक के लिए अगर आप अपने आंख और लिप्स पर ज्यादा कलर लगाए हुए हैं तो मैट ब्रॉन्जर से बेहतर कुछ नहीं हो सकता है।

बहुत-सी महिलाएं लिपस्टिक में बेरी रेड शेड लगा कर रखती हैं। ये शेड न केवल अन-एक्साइटिंग होता है बल्कि आपको एक मिडल-ऐज लुक भी देता है। थोड़ा बोल्ड बनें और एक कंटेम्परी लिप कलर चुनें, जैसे वॉटरमेलन और कोरल। मॉडर्न फिनिश यूं भी ज्यादा यूथफुल दिखाई देती है। कुछ अच्छी क्वालिटी की लिपस्टिक लें जो शीन भी दे और लिप बाम की तरह कम्फर्टेबल भी लगे।

स्वच्छता

आपका तौलिया कितना साफ

यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना के माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ. चार्ल्स गेर्बा ने अपनी स्टडी में बताया था कि करीब 14 प्रतिशत बाथरूम टॉवल ई.कॉली बैक्टीरिया लिए होते हैं। ये वही जीवाणु हैं जो मनुष्य के पाचन तंत्र में पाए जाते हैं और मल के जरिए फैलते हैं। इन बैक्टीरिया को पनपने का खासतौर पर तब मौका मिलता है, जब तौलिये को कई दिनों तक धोया न जाए और हर बार इस्तेमाल के बाद उसे अच्छे से सुखाया न जाए।

गंदे टॉवल से स्किन को नुकसान

ये जानना भी जरूरी है कि तौलिया आपकी त्वचा को किस-किस तरह से नुकसान पहुंचा सकता है। वेल एंड गुड के लेख में डॉ. जोशुआ जेशनर ने जिक्र किया था कि टॉवल या फेस नैपकिन पर ऑयल, डर्ट, मेकअप डिपॉजिट और डेड स्किन इकट्ठा हो जाती है। ये बैक्टीरियो को पनपने में मदद करते हैं पिंपल्स जैसी स्किन प्रॉब्लम्स की वजह बनते हैं।

तौलिये के मटीरियल का असर

रफ टॉवेल का इस्तेमाल त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। ये इरिटेशन, ड्राई स्किन, फ्लेकिंग की समस्या को बढ़ा या फिर जन्म दे सकता है। इतना ही नहीं इससे त्वचा रोग एक्जिमा और बुरी स्थिति में पहुंच सकता है।

जब न हो टॉवेल

अगर आपके पास धुला टॉवल या फेस नैपकिन नहीं है, तो इसकी जगह सूती दुपट्टा या फिर फेशियल वाइप्स यूज की जा सकती हैं। हालांकि, वाइप्स का इस्तेमाल सोच-समझकर करें, क्योंकि हर त्वचा को हर तरह का वाइप सूट नहीं करता है। खासतौर पर तब जब स्किन सेंसेटिव या एक्ने प्रोन हो।

फैशन

लड़कों पर क्यों फिदा हो जाती हैं लड़कियां

जब फर्स्ट इम्प्रेशन की बात आती है, तो लुक्स पर ही सबसे पहले ध्यान जाता है। यहां हम चर्चा कर रहे हैं लड़कों के लुक से जुड़ी उन चीजों के बारे में जो लड़कियों को सबसे ज्यादा पसंद आती हैं।

ट्रिम्ड बीयर्ड

न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी की एक स्टडी में ये सामने आया था कि महिलाओं को ट्रिम्ड बीयर्ड या हेवी नैचरल स्टबल रखने वाले पुरुष ज्यादा आकर्षित करते हैं। इस अध्ययन के लेखक जे डिक्सन और रॉबर्ट सी. ब्रूक्स के अनुसार चेहरे के बालों का मैच्योरिटी और मर्दानगी को दिखाने के साथ ही प्रभुत्व व आक्रामकता से संबंध है। उन्होंने कहा कि ऐसी दाढ़ी जो ज्यादा भारी भी न हो और न बहुत हल्की सबसे ज्यादा आकर्षित करती है।

ज्यादा उम्र का दिखना

साल 2010 में आई स्टडी के मुताबिक, ज्यादातर महिलाएं उन पुरुषों को पसंद करती हैं, जो बहुत यंग नहीं बल्कि ज्यादा उम्र के या असली ऐज से अधिक मैच्योर दिखाई देते हैं। इसी के साथ एक अध्ययन में ये भी सामने आया था कि ऐसी महिलाएं जो आर्थिक रूप से स्वतंत्र होती हैं, वे ऐसे पुरुषों को पसंद करती हैं, जो उम्र में बड़े व जिंदगी में स्थिरता लिए हों। इसे जॉर्ज क्लूनी इफेक्ट नाम दिया गया था।

बॉडी मसल्स

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया की स्टडी में सामने आया था कि महिलाओं को ऐसे पुरुष भाते हैं, जो फिजिकली फिट यानी मसल्स बनाए हुए होते हैं। हालांकि, बहुत हेवी मसल्स वाले पुरुषों के साथ वे लंबा रिश्ता नहीं देखतीं। वहीं ऐसे पुरुष जिनकी बॉडी फिट हो और ज्यादा बिल्ट अप न हो, उन्हें महिलाएं अपने जीवनसाथी के रूप में ज्यादा प्राथमिकता देती हैं।

डीयो/परफ्यूम

डीयो या परफ्यूम लगाने पर पुरुष अपने आपको ज्यादा कॉन्फिडेंस के साथ पेश करते हैं, जो महिलाओं का ध्यान आकर्षित करता है। साल 2009 में जनरल ऑफ कॉस्मेटिक साइंस में प्रकाशित स्टडी में जानकारी दी गई थी।

हाइजीन

महिलाओं को ऐसे पुरुष भी भाते हैं, जो हाइजीन का पूरा ख्याल रखते हैं। अगर कोई लड़का अच्छे से ड्रेसअप है, लेकिन उसकी सांस से बदबू आती है, शरीर से पसीने की गंध आती है, नाखून कटे न हों या गंदे हों, तो लड़कियां उनके लुक्स की तरफ आकर्षित होकर भी जल्दी दूर चली जाती हैं।

शादी के सीजन में ट्राई करें ट्रेंडी साड़ियां

खूबसूरत रंगबिरंगी साड़ियां हर किसी की पसंद है ये ट्रेडिशनल होने के साथ ही फैशनबल लुक भी देती हैं। लेडीज़ आउटफिट्स में साड़ी ऐसा पहनावा है जिसमें हर महिला खूबसूरत दिखती है। साड़ी में आपको ट्रेडिशनल के साथ ही क्लासी लुक भी मिलता है।

शिफॉन की साड़ियां

आप शिफॉन की ब्लू साड़ी के साथ नेकलेस ब्लाउज़ कैरी कर सकती है। इससे आपको एलिगेंट लुक के साथ ट्रेंडी भी लुक भी मिल सकता है। या फिर भूमि पेंडेकर ने जैसे ब्लू साड़ी के साथ अंडरवायर ब्लाउज़ कैरी किया है वैसा भी कर सकती हैं।

साऊथ इंडियन साड़ियां

साऊथ इंडियन साड़ियां सबसे क्लासी और हैवी होती हैं। लेकिन कैरी करने में एकदम हल्की होती हैं और कलर भी बहुत ब्राइट होते हैं। इन साड़ियों को विदेश में भी बहुत पसंद किया जाता है। जैसे कंगना राणावत ने अपनी फिल्म थलेवी के प्रमोशन के दौरान साऊथ इंडियन साड़ी पहनी थी।

बनारसी साड़ियां

बनारसी साड़ियां हर किसी की पसंद होती हैं कलर बहुत ही प्यारे होते हैं। बनारसी साड़ियां आजकल ट्रेंड में हैं। बनारसी साड़ियां किसी भी फंक्शन, त्यौहार में हमेशा ही अलग लुक देती हैं। बनारसी साड़ी इस वेडिंग सीज़न में आपको रॉयल लुक देगी।

ट्रेंडी वाइब्रेंट साड़ी और ऑफ शोल्डर ब्लाउज़

भेड़िया मूवी के प्रमोशन के दौरान कीर्ति सैनन ने डिजाइनर रणबीर मुखर्जी की वाइब्रेंट साड़ी को ऑफ शोल्डर ब्लाउज़ के साथ कैरी किया और वह इसमें बहुत खूबसूरत दिख रहीं थीं आप चाहें तो आप भी ऑफ शोल्डर ब्लाउज़ के साथ वाइब्रेंट साड़ी कैरी कर सकती हैं।

कॉटन ब्लेंड साड़ी

कॉटन ब्लेंड साड़ियां पहनने के लिए बेहद सूटेबल हैं और कॉटन फैब्रिक से बनी होने की वजह से ये काफी आरामदायक भी होती हैं। ये साड़ियां देखने में बहुत खूबसूरत होती हैं और किसी भी मौके पर पहनी जा सकती हैं।

घर को दें होटल जैसा लग्जरी लुक

यात्रा के दौरान लग्जरी होटलों में ठहरना किसे अच्छा नहीं लगता। यहां पर सभी को ओपन इन्वायरमेंट, लग्जरी सुविधाएं और एक से बढ़कर एक डिशेज सर्व की जाती हैं। शायद इसी वजह से लोगों को वीकेंड और हॉलीडे में होटल में जाकर ठहरना अच्छा लगता है। लेकिन हर रोज तो आप होटल में ठहरने नहीं जा सकते, तो क्यों न अपने घर को ही होटल बना दिया जाए। आप सोच रहे होंगे कि क्या यह संभव है। हम आपको कुछ ऐसे शानदार तरीके बता रहे हैं, जिन्हें अपनाने के बाद आपके घर का लुक बदल जाएगा।

किंग साइज बेड लगाएं

होटल के कमरे में सबसे पहली चीज जो हमें आकर्षित करती है, वो है रूम का किंग साइज बेड। इस बेड का गद्दा काफी मोटा होता है, जिस पर आराम करने का अपना ही मजा है। अगर आप घर में होटल जैसा फील चाहते हैं, तो मोटे और सख्त गद्दे खरीदें। बता दें कि एक अच्छा बिस्तर न केवल आपके शरीर में सभी तरह के दर्द को दूर करता है, बल्कि आपको ऊर्जा से भी भर सकता है।

बाथरूम का लुक बदलें

घर को लग्जरी होटल जैसा बनाने के लिए आपको बाथरूम के लुक में बदलाव करना होगा। होटल के वॉशरूम की तरह सिंक के पास एक्सेसरीज जैसे हैंडवॉश, साबुन और लाइट शेड की टॉवेल रखें। बाथरूम में ऑर्गेनिक शैंपू और साबुन को रखने से निश्चित रूप से आपको होटल जैसी फीलिंग आएगी।

लाइटिंग

होटलों में अलग-अलग तरह की लाइटिंग सभी को काफी अट्रैक्ट करती है। फिर चाहे वह रूम की लाइटिंग हो, गार्डन की हो या फिर बार एरिया की। अगर आप अपने घर में होटल का अहसास चाहते हैं, तो आपको लाइटिंग पर ध्यान देना होगा। डिफरेंट टाइप्स की लाइटों पर इंवेस्ट करें और कमरों में लगाएं। इसके अलावा आप कमरे में आने वाली नेचुरल लाइट को नियंत्रित करने के लिए ट्रांसपैरेंट पर्दे लगाने पर विचार करें। बाहर से आने वाली रोशनी जब छनकर भीतर आएगी, तो आपका कमरा किसी होटल के कमरे से कम नहीं लगेगा।

एयर फ्रेशनर पर इंवेस्ट करें

होटल के रूम में प्रवेश करते ही भीनी-भीनी खुशबू मदहोश कर देती है। इस तरह की खुशबू के लिए यहां अरोमा का इस्तेमाल किया जाता है। आप अपने घर के हर कमरे में अगरबत्ती लगाकर घर को खुशबूदार बना सकते हैं। बता दें कि एयर फ्रेशनर और कैंडल्स न केवल आपके मूड को अच्छा बनाती हैं, बल्कि तनाव को भी कम कर देती हैं।

होटल में हम बहुत कम समय के लिए ठहरते हैं, लेकिन हमें अपने घर में जीवन भर रहना है। इसलिए घर को होटल जैसा लग्जरी लुक देने से पहले एक बजट जरूर तैयार करें।

टिप्स

अनचाहे बाल हटाने के तरीके

चीनी और नींबू का पेस्ट

चीनी और नींबू का पेस्ट भी अनचाहे बालों को हटाने में मददगार है। इसके लिए आप दो चम्मच चीनी और दो चम्मच नींबू के रस को मिलाकर गर्म करें। पांच मिनट तक गर्म करने के बाद इसको ठंडा होने दें। फिर जहां से चेहरे के बाल हटाने है वहां अप्लाई कीजिए। 15 मिनट तक लगा रहने दें। गुनगुनें पानी की मदद से हटाएं। नींबू चीनी के पेस्ट की मदद से चेहरे के हैवी बाल भी हटा सकते है।

दही, बेसन और गुलाब जल का पेस्ट

दही स्किन के लिए फायदेमंद है यह तो सबको पता है इसमें बहुत से ऐसे विटामिन्स होते हैं जो त्वचा के लिए फायदेमंद है। यह त्वचा के रूखेपन को दूर करने के साथ ही स्किन को मुलायम बनाए रखता है। गुलाब जल टोनर का काम करता है। बेसन भी चेहरे के बाल हटाने में सहायक है। बेसन को चेहरे की सुंदरता बढ़ाने के लिए पुराने समय से ही इस्तेमाल किया जाता है।

विधि

एक कटोरी में दो या तीन चम्मच बेसन लें। इसमें दो चम्मच ताज़ा दही मिक्स करें। एक चम्मच गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बनाइये। अब इस पेस्ट को चेहरे पर समान रूप से लगायें। 15-20 मिनट तक लगा रहने दें। अब गुनगुने पानी की सहायता से हटायें। इसके लगातार प्रयोग से आपके चेहरे के बालों की समस्या दूर हो जाएगी।

बेसन और मसूर दाल का पेस्ट

इसके लिए आप मसूर दाल का पेस्ट या फिर मसूर दाल का पाउडर भी इस्तेमाल कर सकती है। एक चम्मच मसूर दाल पेस्ट में एक चम्मच बेसन मिलाये। अब इसमें आधा चम्मच नींबू का रस मिलकर पेस्ट बना लें और चेहरे पर अप्लाई करें। आप नींबू की जगह कच्चे दूध का भी इस्तेमाल कर सकती है। इस पेस्ट को 20-30 मिनट के लिए फेस पर लगाएं। सूखने के बाद हल्के हाथ से स्क्रब करते हुए छुड़ाए।

ठंड में स्किन का ख्याल रखेगा एलोवेरा फेस पैक

ठंड के मौसम में स्किन का ख्याल रखने के लिए एलोवेरा का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। दरअसल, एलोवेरा स्किन की कई तरह की प्रॉब्लम्स को नेचुरल तरीके से दूर कर सकता है। यहां हम आपको एलोवेरा की मदद से बनने वाले कुछ ऐसे फेस पैक के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप विंटर में आसानी से बनाकर अपनी स्किन का ख्याल रख सकते हैं-

एलोवेरा और शहद से बनाएं फेस पैक

आवश्यक सामग्री-

- दो बड़े चम्मच एलोवेरा जेल
- एक चम्मच शहद
- एक चम्मच रोज वाटर

तरीका-

- फेस पैक बनाने के लिए आप सबसे पहले एलोवेरा का पत्ता तोड़कर उसका जेल निकाल लें।
- अब आप इस जेल में शहद व रोज वाटर मिक्स करें।
- इसके बाद आप अपने फेस को क्लीन करके इस पैक को चेहरे पर लगाएं और बेहद हल्के हाथों से मसाज करें।
- करीबन 10 मिनट बाद गुनगुने पानी की मदद से फेस वॉश करें।

एलोवेरा जेल और टी ट्री ऑयल से बनाएं फेस पैक

आवश्यक सामग्री-

- 2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल
- 1 बड़ा चम्मच रोज वाटर
- 2-3 बूंद टी ट्री ऑयल

तरीका-

- सबसे पहले आप एलोवेरा के पत्ते को तोड़कर उसका जेल निकाल लें।
- अब आप इस जेल में रोज वाटर और 2-3 बूंद टी ट्री ऑयल मिलाएं।
- अब आप इसे पैक को अपने चेहरे पर 15-20 मिनट के लिए लगाएं और फिर इसे धो लें।
- आप सप्ताह में एक से दो बार इस फेस पैक को लगा सकते हैं।

एलोवेरा और विटामिन ई से बनाएं फेस पैक

आवश्यक सामग्री-

- 2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल
- एक विटामिन ई कैप्सूल

तरीका-

- सबसे पहले एलोवेरा के पत्ते को तोड़कर उसका जेल निकाल लें।
- इसके बाद आप बाउल में विटामिन ई कैप्सूल का ऑयल मिक्स करें।
- अब आप अपने चेहरे को वॉश करें और इस पैक को लगाएं।
- करीबन दस मिनट बाद आप अपने चेहरे को पानी की मदद से वॉश करें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अशोक कुमार द्वारा राज तरूण आफसेट, एलजीएफ 5-14, अंसल सिटी सेंटर, निकट यूपी प्रेस क्लब, हजरतगंज, लखनऊ से मुद्रित तथा ग्राम भुसना, पोस्ट भुसना, तहसील महमूदाबाद जनपद सीतापुर (उ0प्र0) से प्रकाशित। **सम्पादक : अशोक कुमार (मो. 9651086162) उप सम्पादक : प्रमोद कुमार शुक्ल (मो. 9450497420)**। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.वी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न सभी विवाद सीतापुर न्यायालय के आधीन होंगे।